Website : www.kalamlok.com

वर्ष - 09 अंक - 341

बक्सर, शनिवार 25 अप्रैल 2026

पृष्ठ - 8
मूल्य 2 रू.

कलम लोक

"स्वर्ग व नरक कोई भौगोलिक स्थिति नहीं हैं, बल्कि एक मनोस्थिति है। जैसा सोचोगे, वैसा ही पाओगे।

ईरानी विदेश मंत्री से बात करने को अपने दामाद को पाक भेज रहे ट्रंप, वेंस का कटा पत्ता!

ट्रंप ने दे रखा है आदेश

ट्रंप ने अमेरिकी नेवी आदेश दे रखा है कि जो भी नौका होर्मुज में दिखे, उसे गोली मार दी जाए। इसके बाद सेना ने दो तेल सुपरटैंकरों को रोक लिया, जिन्होंने ईरान के बंदरगाहों से आने-जाने पर लगाए गए प्रतिबंधों से बचने की कोशिश की। ट्रंप का यह कदम वाइट हाउस के उस प्रयास का हिस्सा है, जिसके तहत देश के तेल निर्यात को रोकना, ईरान को आर्थिक रूप से दबाव में लाना और युद्ध खत्म करने में सहायक समझौते करने के लिए मजबूर करना शामिल है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पोस्ट में कहाकि मेरे पास पूरी दुनिया का समय है, लेकिन ईरान के पास नहीं

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान में होने वाली शांति वार्ता के लिए ट्रंप के दूत भी पहुंचने वाले हैं। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जारेड कुशनर, जल्द ही पाकिस्तान के लिए रवाना होंगे। फिलहाल जो जानकारी सामने आई है, उसके मुताबिक अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस फिलहाल इस शांति वार्ता में शामिल होने की योजना नहीं बना रहे हैं। हालांकि अगर बातचीत आगे बढ़ती है तो वह भी इसमें हिस्सा लेने के लिए पहुंच सकते हैं।

जानकारी के मुताबिक विटकाफ और कुशनर, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची से बात करेंगे। सीएनएन ने दो प्रशासनिक अधिकारियों के हवाले से यह बात कही है। अरगची ने पहले कहा था कि वह पाकिस्तान जा रहे हैं। इससे उम्मीद जगी थी कि ईरान और अमेरिका के बीच दूसरे दौर की बातचीत जल्द शुरू होगी। इसके साथ ही आठ हफ्ते लंबे युद्ध के अंत की भी संभावना जगी थी। फिर अरागची की सोशल मीडिया पोस्ट ने इस पर पानी फेर दिया। इस पोस्ट में कहा गया कि उनकी यात्रा का उद्देश्य द्विपक्षीय मामलों में साझेदारों के साथ निकटता से समन्वय करना और क्षेत्रीय विकास पर परामर्श करना है। मामले से परिचित पाकिस्तान के अधिकारियों ने, कहाकि उन्हें अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता के दूसरे दौर की उम्मीद है। हालांकि यह जानकारी नहीं दी गई है कि वार्ता कब या किस स्तर पर होगी। यह घोषणा ऐसे समय आई जब अमेरिका ने ईरान पर अपने नौसैनिक नाकाबंदी के साथ दबाव बढ़ाया, ताकि ईरान को शांति वार्ता के लिए राजी किया जा सके। वहींख् इजरायल और लेबनान तीन हफ्ते के लिए युद्धविराम बढ़ाने वाले हैं।

प्रथम विश्व युद्ध में शहीद हुए भारतीय सैनिकों को अब मिला डिजिटल सम्मान

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रथम विश्व युद्ध में अपनी वीरता का लोहा मनवाने वाले 33,000 भारतीय सैनिकों के साथ हुई एक ऐतिहासिक गलती को आखिरकार सुधार लिया गया है। कॉमनवेल्थ वॉर ग्रेव कमीशन ने इराक स्थित बसरा स्मारक के लिए नए डिजिटल नाम पैनल लॉन्च किए हैं, जिनमें पहली बार इन गुमनाम भारतीय शहीदों के नामों को उनके रैंक और रेजिमेंट के साथ ससम्मान शामिल किया गया है,। इतिहासकारों के अनुसार, मेसोपोटामिया (वर्तमान इराक) का अभियान प्रथम विश्व युद्ध के सबसे कठिन अभियानों में से एक था। इसमें हजारों भारतीय सैनिकों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया, लेकिन बसरा स्मारक पर उनके नाम कभी नहीं लिखे गए। चौंकाने वाली बात यह है कि उस दौर में कई भारतीय सैनिकों को उनके नाम के बजाय केवल संख्याओं से याद किया जाता था।

बाइक चलाने पर नहीं लगा सकते बैन

बंगाल चुनाव पर कोर्ट ने लगा दी चुनाव आयोग की क्लास

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बाइक पर बैन लगाने वाले चुनाव आयोग के फैसले को कलकत्ता हाई कोर्ट ने हटा दिया है। उसने क्लास लगाते हुए कहा कि आयोग चुनाव के दौरान स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के नाम पर बाइक चलाने पर पूरी तरह रोक नहीं लगा सकता है। आयोग ने 20 अप्रैल को एक नोटिफिकेशन जारी किया था, जिसमें जानकारी दी गई थी कि वोटिंग से दो दिन पहले से शाम छह बजे से लेकर सुबह छह बजे तक बाइक पर पूरी तरह से बैन रहेगा। सिर्फ मेडिकल इमरजेंसी या फिर पारिवारिक कार्यक्रमों में ही अनुमति दी गई थी। जस्टिस कृष्ण राव ने चुनाव आयोग के इस बैन को हटा दिया।

बार एंड बेंच के अनुसार, फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने कहा कि हम यह समझने में विफल रहे कि बाइक चलाने पर बैन क्यों लगाया गया। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के नाम पर अधिकारी बाइक चलाने पर बैन नहीं लगा सकते। कोर्ट ने कुछ पाबंदियों पर सहमति भी जताई। मतदान के दो दिन पहले से बाइक रैली निकालने की अनुमति

नहीं दी गई। वोटिंग वाले दिन से 12 घंटे पहले बाइक पर पीछे सवारी करने की अनुमति भी नहीं दी गई है। हालांकि, इसमें मेडिकल इमरजेंसी, स्कूली बच्चों को छोड़ने जाने आदि जैसे मामलों को अलग रखा गया है। कोर्ट ने चुनाव आयोग के बाइक रैली पर प्रतिबंध लगाने के फैसले को सही ठहराया। साथ ही, यह कहा कि आयोग आम लोगों को बाइक चलाने से नहीं रोक सकता है। सुनवाई के दौरान भारत के संविधान के सेक्शन 324(1) का हवाला दिया गया, जिसमें सुपरिंटेंडेंट पावर भारत के चुनाव आयोग को दी गई है, लेकिन कोर्ट ने कहा कि रेस्पोंडेंट यह बताने में नाकाम रहे कि किन हालात में और कानून के किन नियमों के तहत, रेस्पोंडेंट नंबर 3 ने विवादित ऑर्डर में शर्तें लगाई हैं। बता दें कि आयोग ने वोटिंग से दो दिन पहले से लेकर वोटिंग के दिन तक, शाम 6 बजे से सुबह 6 बजे तक मोटरसाइकिल चलाने पर रोक लगाने की घोषणा की थी, जिसका विरोध हुआ था। हालांकि, यह आदेश देने के कुछ ही घंटों बाद, चुनाव आयोग ने मंगलवार शाम को नागरिकों की आलोचना का सामना करने के बाद अपना फैसला बदल दिया।

उद्घाटन के बिना ही चल दी ट्रेन, पीछे-पीछे भागते नजर आए नेता

मैक्सिको (एजेंसी)। भारत में आपने किसी न किसी नेता को ट्रेन को या फिर बस को हरी झंडी दिखाते हुए देखा होगा। नेता हरी झंड़ी दिखाते हैं, तब जाकर वह ट्रेन आगे बढ़ती है। कई बार ऐसा होता है कि नेता अगर लेट पहुंचते हैं, तो ट्रेन को भी थोड़ा लेट कर दिया जाता है। लेकिन हर जगह ऐसा नहीं है। मैक्सिको के एक मेयर को नई रेल लाइन के उद्घाटन के समय लेट पहुंचना भारी पड़ गया। मेयर लेट आए, लेकिन ड्राइवर ने अपने समय के अनुसार गाड़ी को आगे बढ़ा दिया। इसकी वजह से मेयर ने दौड़कर गाड़ी पकड़ने की कोशिश की लेकिन नाकाम रहे।

यह पूरी गठना मैक्सिको के त्लाजोमुलको दे जुनीगा की है। यहां पर ट्रेन लिगेरो की लाइन 4 का उद्घाटन होना था। रिपोर्ट्स के अनुसार इस उद्घाटन के लिए मेयर गेरारेदो क्युरिनो वेलाज्कूएज को बुलाया गया था। लेकिन वह स्टेशन पर पहुंचे, तब तक ट्रेन के दरवाजे पहले ही बंद हो चुके थे और ट्रेन आगे बढ़ने लगी थी। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि मेयर दौड़कर ट्रेन पकड़ने की कोशिश करते हैं, लेकिन वह इसमें सफल नहीं हो पाते। इसके बाद वह हंसते हुए साइड में खड़े हो जाते हैं। जब यह पोस्ट वायरल हो गया, तो मेयर ने भी हल्के-फुल्के अंदाज में इसे शेयर किया। उन्होंने लिखा, 'चिंता मत करो, यह हर नौ मिनट में आती है, जिससे इसके रुटीन का पता चलता है।'

साई के शतक पर भारी पड़ी कोहली की ताबड़तोड़ पारी

34वें मुकाबले में बेंगलुरु ने गुजरात को हाईस्कोरिंग मुकाबले में हराया

बेंगलुरू (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने शुक्रवार को आईपीएल 2026 के 34वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस को 5 विकेट से हराया। साई सुदर्शन की शतकीय पारी की बदौलत गुजरात टाइटंस ने 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 205 रन बनाए। इसके जवाब में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम विराट कोहली की दमदार अर्धशतकीय पारी की मदद से 7 गेंद शेष रहते मैच अपने नाम किया। बेंगलुरु ने 18.5 ओवर में 5 विकेट खोकर 206 रन बनाए। आरसीबी की ओर से विराट कोहली ने 44 गेंद में 81 रन की पारी खेली। गुजरात के लिए राशिद खान ने दो, मोहम्मद सिराज, जेसन होल्डर और मानव ने 1-1 विकेट लिया। इस जीत के साथ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम के 10 अंक हो गए हैं, जबकि गुजरात ने चौथा मुकाबला गंवाया है।

206 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को जैकब बेथल और विराट कोहली की जोड़ी ने अच्छी शुरुआत दिलाई। जैकब 10 गेंद में 14 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद विराट कोहली और देवदत्त पडिकल के बीच दूसरे विकेट के लिए 59 गेंद में 115 रन की साझेदारी हुई। देवदत्त ने 27 गेंद में 55 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में दो चौके और 6 छक्के लगाए। देवदत्त को राशिद खान ने एक बेहतरीन गेंद पर आउट किया तो कोहली को जेसन होल्डर की एक उछाल भरी गेंद ने बोल्ड किया। इससे टीम थोड़ी मुश्किल में पड़ गई क्योंकि उन्होंने कप्तान रजत पाटीदार और जितेश शर्मा के विकेट भी गंवा दिए जिससे उनका स्कोर 173 रन पर पांच विकेट हो गया। लेकिन कृणाल पांड्या (नाबाद 23 रन, 12 गेंद) और टिम डेविड (नाबाद 10 रन) ने वहां से टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। इस तरह आरसीबी ने अपने घरेलू मैदान पर खेले गए पांच मैचों में चौथी जीत दर्ज की।

गुजरात टाइटन्स ने साई सुदर्शन (100 रन) के शतक की बदौलत शुक्रवार को आईपीएल मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी)

के खिलाफ तीन विकेट पर 205 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। गुजरात टाइटंस की पारी के 12.4 ओवर टी20 बल्लेबाजी के बिल्कुल उलट थे जिसमें पूर्व चैंपियन टीम ने यह साबित कर दिया कि इस प्रारूप में बिना आक्रामकता के भी रन बनाए जा सकते हैं।

सुदर्शन ने आईपीएल में अपने तीसरे शतक के लिए 58 गेंद की पारी में 11 चौके और पांच छक्के लगाए। उनकी पारी टीम के लिए मजबूत नींव साबित हुई। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अपने सलामी जोड़ीदार और कप्तान शुभमन गिल (32 रन, 24 गेंद) के साथ 128 रन की साझेदारी में शुरू से ही पूरी तरह से दबदबा बनाए रखा। सुदर्शन ने पावरप्ले के दौरान 29 जबकि गिल ने सिर्फ सात गेंदें खेली थीं। तमिलनाडु के 24 साल के तमिलनाडु के इस बल्लेबाज ने पावरप्ले में 46 रन बनाए और फिर 33 गेंदों में बड़े ही शानदार अंदाज में अपना अर्धशतक पूरा किया, जिसके लिए उन्होंने रोमारियो शेफर्ड की गेंद पर एक जोरदार छक्का जड़ा। वह अपनी इस पारी के दौरान आईपीएल में सबसे तेज 2000 रन बनाने वाले खिलाड़ी भी बन गए। अगले पचास रन उन्होंने और भी तेज गति से बनाए जिसके लिए उन्होंने सिर्फ 24 गेंद लीं। इस दौरान उन्होंने आरसीबी के स्पिन जोड़ी कृणाल पांड्या और सुयश शर्मा को पूरी तरह से बेअसर कर दिया। क्रुणाल ने सुदर्शन को शांत रखने के लिए अपनी खास बाउंसर गेंद का इस्तेमाल किया, लेकिन यह बल्लेबाज भी पूरी तरह से तैयार था। उसने गेंद को 'अपर कट' करते हुए छक्के के लिए बाउंड्री के पार पहुंचा दिया।

बंगाल जीतने के बाद दिल्ली पर करूंगी कब्जा', ममता बनर्जी का ऐलान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण से पहले अपने तेवर और कड़े कर लिए हैं। उन्होंने संकेत दिया कि बंगाल जीतने के बाद उनका अगला टारगेट दिल्ली होगा। बनर्जी ने कहा, 'बंगाल जीतने के बाद मैं दिल्ली पर कब्जा करूंगी।' कोलकाता में रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए काम करने वाले लोगों की सूची उनके पास है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी पृष्ठभूमि के लोगों को प्रशासन में जगह दी गई है। उन्होंने कहा, 'आप हमें हराने की क्षमता नहीं रखते। हम अन्याय के खिलाफ लड़ते हैं, अपने अधिकारों के लिए लड़ते हैं। मेरा जन्म बंगाल में हुआ है और मैं यहीं मरूंगी। सिर्फ बंगाल में ही नहीं, बल्कि दिल्ली से भी भाजपा को हटाना होगा।'

ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के झारग्राम में झालमुड़ी खाने के कार्यक्रम को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पूरी तरह से पहले से तय किया गया था। उन्होंने कहा, 'पहले से ही टीवी कैमरे और सीसीटीवी लगाए गए थे, सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। झालमुड़ी घर पर पहले से तैयार की गई थी और दुकानदार को 10 रुपये दिए गए थे। मैं तो नकद भी नहीं रखती।'

बंगाल चुनाव के पहले फेज में ऐतिहासिक वोटिंग, खुश हो गए सीजेआई सूर्यकांत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में लगभग 92 प्रतिशत रिकॉर्ड मतदान की सराहना करते हुए संतोष जताया कि चुनाव शांतिपूर्ण रहे और हिंसा की कुछ घटनाएं ही सामने आईं। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने मतदान प्रक्रिया पर संतोष जताते हुए कहा, 'भारत के नागरिक के तौर पर मैं मतदान प्रतिशत देखकर बहुत खुश हुआ। जब लोग अपने वोट के अधिकार का इस्तेमाल करते हैं, तो इससे हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होती है।'

जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने इसी भावना को दोहराते हुए मतदान के दौरान हिंसा नहीं होने का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'हिंसा की भी कोई घटना नहीं हुई है।' इस पर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने टिप्पणी की, 'जब लोग मतपत्र में अपनी ताकत को पहचान लेते हैं, तो वे हिंसा में शामिल नहीं होते।' न्यायालय को बताया गया कि मतदाता,जिनमें प्रवासी मजदूर भी शामिल हैं, अपने वोट डालने के लिए बड़ी संख्या में बाहर निकले, जिससे मतदान का एक ऐतिहासिक आंकड़ा सामने आया। पीठ ने इसे एक सकारात्मक संकेत माना, खासकर तब जब पहले मतदाता सूचियों के संशोधन को लेकर चिंताएं जताई गई थीं। इससे पहले 2011 में सबसे अधिक मतदान लगभग 84 प्रतिशत रहा था।

न्यायालय को हालांकि मतदाता सूचियों से नाम हटाए जाने के खिलाफ दायर अपीलों के निपटारे की धीमी गति को लेकर भी चिंता से अवगत कराया गया। न्यायालय को बताया गया कि 27 लाख अपीलों में से अब तक केवल 136 अपीलों का ही निपटारा हो पाया है।

पेटीएम के पेमेंट्स बैंक का लाइसेंस रद्द, आरबीआई का बड़ा एक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय रिजर्व बैंक ने पेटीएम पर सख्त कार्रवाई की है। रिजर्व बैंक ने पेटीएम के पेमेंट्स बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया है। एक प्रेस रिलीज में केंद्रीय बैंक आरबीआई ने कहा कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक अब बैंकिंग रेग्युलेशन एक्ट के तहत बैंकिंग का काम नहीं कर सकता। आरबीआई ने कहा कि बैंक के कामकाज और मैनेजमेंट जमाकर्ताओं या आम लोगों के हित में नहीं थे और बैंक अपने पेमेंट्स बैंक लाइसेंस की शर्तों का पालन करने में नाकाम रहा।

आरबीआई ने यह भी कहा कि वह बैंक को बंद करने के लिए हाईकोर्ट में एक आवेदन करेगा। केंद्रीय बैंक ने कहा-पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड के पास बैंक के बंद होने पर अपनी पूरी जमा देनदारी चुकाने के लिए पर्याप्त नकदी उपलब्ध है। केंद्रीय रिजर्व बैंक के अनुसार, पेटीएम पेमेंट्स बैंक का संचालन जिस प्रकार से हो रहा था वह बैंक और जमाकर्ता दोनों के लिए नुकसानदेह था और प्रबंधन का आम चरित्र जमाकर्ताओं और आम लोगों के प्रति पूर्वाग्रह से ग्रस्त

था। इसलिए उसे बैंकिंग जारी रखने देना किसी भी प्रकार से जनहित में नहीं था। इन्हीं कारणों को देखते हुए पहले बैंक पर प्रतिबंध लगाए गए थे और अब उसका बैंकिंग लाइसेंस रद्द किया गया है।

इससे पहले, आरबीआई ने साल 2024 में भी पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर कार्रवाई की थी। आरबीआई ने 11 मार्च 2022 से ही नए ग्राहक जोड़ने पर रोक लगा दी गई थी और बाद में ग्राहक खातों और वॉलेट में जमा, क्रेडिट और टॉप-अप पर भी पाबंदियां लगा दी गईं। इसके साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंक को नए जमा स्वीकार करना बंद करने का आदेश दिया था। तब RBI ने कहा था कि यह आदेश नियमों का पालन न करने के कारण दिया गया है, जिसमें ग्राहक की पूरी जांच-पड़ताल, फंड का इस्तेमाल और टेक्नीकल स्ट्रक्चर से जुड़े नियम शामिल हैं।

सोमवार को शेयर पर रहेगी नजर

आरबीआई का फैसला मार्केट बंद होने के बाद आया है। ऐसे में अब सोमवार को निवेशकों की नजर पेटीएम के शेयर पर रहेगी। बता दें कि वर्तमान में पेटीएम के शेयर की कीमत बीएसई पर 1147.10 रुपये है। शुक्रवार को शेयर 1.10% टूटकर बंद हुआ। पेटीएम का आईपीओ साल 2021 में आया था। इस आईपीओ ने निवेशकों को बड़ा नुकसान कराया। पेटीएम के शेयर की कीमत आज तक आईपीओ इश्यू प्राइस के करीब नहीं पहुंच सकी है। कहने का मतलब है कि जिन निवेशकों को पेटीएम के आईपीओ अलॉट हुए होंगे, उन्हें नुकसान हुआ। इश्यू प्राइस 2150 रुपये तय किया गया था।

यूक्रेन से युद्ध में रूसी सेना के लिए लड़ते हुए 10 भारतीयों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय को अवगत कराया कि रूस-यूक्रेन युद्ध में रूसी सेना की ओर से लड़ते हुए 10 भारतीयों की मौत हो चुकी है। पीठ ने कहा कि युद्ध क्षेत्र से शव वापस लाने में अत्यधिक कठिनाई हो सकती है। केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने 10 भारतीयों की मौत की जानकारी पीठ को दी। भाटी ने यह जानकारी उस याचिका की सुनवाई के दौरान दी, जिसमें रूस में कथित तौर पर हिरासत में लिए गए और युद्ध लड़ने के लिए मजबूर किए गए 26 भारतीयों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने का निर्देश सरकार को देने का अनुरोध किया गया है।

नीति आयोग के नए उपाध्यक्ष बनेंगे अशोक लाहिड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में भाजपा के विधायक और अर्थशास्त्री अशोक कुमार लाहिड़ी को नीति आयोग के नए उपाध्यक्ष के रूप में चुना गया है। एचटी की रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार ने लाहिड़ी के नाम पर मुहर लगा दी है। कुछ समय के बाद वह 2022 से इस पद पर आसीन सुमन के.बेरी की जगह लेंगे। बता दें, अशोक लाहिड़ी पश्चिम बंगाल की बालुरघाट से पिछली विधानसभा के विधायक हैं, उन्होंने इस बार चुनाव नहीं लड़ा है। इसके अलावा उन्होंने भारत सरकार के 12वें मुख्य आर्थिक सलाहकार के रूप में भी काम किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अशोक लाहिड़ी के अलावा गोबर्धन दास को भी नीति आयोग का नया सदस्य बनाए जाने की संभावना है। हालांकि, अभी तक इन दोनों नामों का अभी तक आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन सरकारी सूत्रों के मुताबिक अशोक लाहिड़ी के नाम पर मुहर लग चुकी है। कोलकाता की प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी से पढ़ाई करने वाले लाहिड़ी जाने माने अर्थशास्त्री हैं। उन्होंने दिल्ली स्कूल ऑफ इकॉनॉमिक्स, एशियन डेवलपमेंट बैंक, बंधन बैंक और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी में बेहतरीन काम किया है।

'कैसी भाषा इस्तेमाल कर रहे अमित शाह, कह रहे उल्टा लटका देंगे', भड़कीं ममता बनर्जी

हावड़ा (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर पलटवार किया है। उन्होंने शाह की दी गई चेतावनी पर कहा है कि वह कैसी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं और कह रहे कि लोगों को उल्टा लटका देंगे। इस तरह भाजपा पश्चिम बंगाल को कभी नहीं जीत सकती है।

राज्य में विधानसभा चुनाव चल रहे हैं। पहले चरण में 152 सीटों पर हुई वोटिंग में 92 फीसदी से ज्यादा वोट पड़े। अगला चरण 29 अप्रैल को होगा, जबकि चुनावी नतीजे चार मई को घोषित होंगे। हावड़ा में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, 'गृह मंत्री अमित शाह किस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं? आप कह रहे हैं कि चुनाव के बाद आप लोगों को उल्टा लटका देंगे। इस रवैये के साथ आप बंगाल को कभी नहीं जीत सकते, कभी नहीं।'

एक जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था, 'मैं दीदी के गुंडों को चेतावनी दे रहा हूं कि 29 तारीख को अपने घरों से बाहर न निकलें। अगर 29 तारीख को आरामबाग के लोगों को परेशान किया गया, तो 5 तारीख के बाद हम उन्हें उल्टा लटकाकर सीधा कर देंगे।' अमित शाह की इस टिप्पणी का जिक्र करते हुए कि चार मई (मतगणना का दिन) के बाद तृणमूल कांग्रेस के उत्पीड़कों को सार्वजनिक रूप से उल्टा लटकाया जाएगा, ममता ने सवाल उठाया कि क्या कोई केंद्रीय मंत्री इस तरह की धमकी दे सकता है। उन्होंने कहा, 'क्या मैं पूरे शिष्टाचार और सम्मान के साथ यह पूछ सकती हूं कि कोई केंद्रीय मंत्री इस तरह की धमकी दे सकता है?' मुख्यमंत्री ने बंगाल विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी को निर्णायक बहुमत मिलने का भरोसा जताया। उन्होंने कहा, 'पहले चरण के मतदान से स्पष्ट हो गया है कि तृणमूल कांग्रेस दो चरणों में होने वाले विधानसभा चुनावों में भारी बहुमत से जीत हासिल करेगी।

जो डरा और बिक गया, वो भाजपा में गया

आप सांसदों के पाला बदलने पर तेजस्वी यादव का तंज

पटना (संवाददाता)। राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने आम आदमी पार्टी सांसदों के पाला बदलने पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि जो डरा और बिक गया और वो भाजपा में गया है। तेजस्वी ने कहा कि राजनीति में जो लोग अपनी विचारधारा पर टिके नहीं रह सकते, वे ही भाजपा का दामन थाम रहे हैं। बता दें कि राघव चड्ढा समेत 3 राज्यसभा सांसदों ने शुक्रवार को नई दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की क्को छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया। राघव ने दावा किया कि हरभजन सिंह समेत 4 और सांसद आप को छोड़ने वाले हैं।

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को पटना में मीडिया से बातचीत में आप में टूट पर तंज कसा। उन्होंने दावा किया कि भाजपा में अब दो ही तरह के लोग जा रहे हैं। एक वे जो जांच एजेंसियों से डरे हुए हैं और दूसरे वो जो बिक चुके हैं।

उन्होंने कहा कि जो नेता संघर्ष करने और संविधान बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं, वे आज भी भाजपा के खिलाफ मजबूती से खड़े हैं। तेजस्वी यादव ने आम आदमी पार्टी को नसीहत देते हुए कहा कि ऐसे लोगों की पहचान करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि राघव चड्ढा समेत कुछ सांसदों के भाजपा में जाने से कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। जब क्क संयोजक अरविंद केजरीवाल एवं मनीष सिसोदिया जेल गए थे तब राघव चड्ढा लंदन में थे।

बता दें कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी में शुक्रवार को बड़ी टूट हुई। पार्टी के 10 में से 7 राज्यसभा सांसद टूट गए। राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक ने शुक्रवार को दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात कर पार्टी जॉइन कर ली। राघव ने बताया कि हरभजन सिंह, विक्रमजीत सिंह साहनी, स्वाति मालीवाल और राजेंद्र गुप्ता भी AAP छोड़ रहे हैं। ऐसे में अब अरविंद केजरीवाल की पार्टी में तीन ही राज्यसभा सांसद बचे हैं, जिनमें संजय सिंह, नारायण दास गुप्ता और बलबीर सिंह शामिल हैं। इसके अलावा लोकसभा में भी आम आदमी पार्टी के तीन सांसद हैं।

वहीं, आम आदमी पार्टी का कहना है कि पंजाब में भाजपा का कोई नेता नहीं है, इसलिए भाजपा ने AAP को तोड़ा है। पार्टी ने इसे गद्दारी करार दिया और कहा कि आगामी चुनावों में जनता इसका जवाब देगी। बता दें कि भाजपा में जाने वाले 7 में से 6 राज्यसभा सांसद पंजाब से संसद के सदस्य हैं।

ज्वेलरी शॉप लूटने आए बदमाशों की फायरिंग में युवक की मौत, भीड़ ने लुटेरे की कर दी हत्या

गोपालगंज (संवाददाता)।

बिहार के गोपालगंज जिले में गुरुवार को ज्वेलरी शॉप लूटने आए बदमाशों ने फायरिंग कर दी। गोली लगने से एक युवक की मौत हो गई। इसके बाद गुस्साई भीड़ ने एक लुटेरे को पीट-पीटकर मार डाला। यह घटना भोरे थाना क्षेत्र के लाल छापर बाजार की है। घटना के बाद बाजार में अफरातफरी मच गई। ज्वेलरी शॉप में लूट की कोशिश करने वाले तीन अन्य अपराधी को लोगों ने पकड़कर पुलिस को सौंप दिया।

भोरे थाना क्षेत्र के लाला छापर बाजार स्थित दीपक ज्वेलर्स एंड बर्तन भंडार में शुक्रवार की दोपहर करीब ढाई बजे हथियारबंद अपराधियों ने लूट की कोशिश की। दुकानदार के विरोध करने पर अपराधियों ने फायरिंग कर दी। इसमें बगल के दुकानदार के भाई पवन वर्मा घायल हो गए। वहीं, भागने के क्रम में घिरता देख बदमाश द्वारा फायरिंग में एक युवक की मौत हो गई। यह घटना शुक्रवार दोपहर करीब ढाई बजे की है। जानकारी के अनुसार लाला छापर बाजार स्थित दीपक ज्वेलर्स एवं बर्तन भंडार में हथियारबंद अपराधी लूट की नीयत से घुस गए। दुकानदार ने जब विरोध किया तो लुटेरों ने फायरिंग कर दी। गोलीबारी में पास के दुकानदार के भाई पवन वर्मा घायल हो गए।

गोली चलने से पूरे बाजार में हड़कंप मच गया। लूट की कोशिश नाकाम होते देख लुटेरे वहां से भागने लगे। तभी स्थानीय लोगों ने उन्हें घेर लिया। खुद को घिरता देख लुटेरों की ओर से फिर फायरिंग की गई। इस दौरान गोली लगने से एक युवक की मौत हो गई। इसके बाद स्थानीय लोगों का गुस्सा भड़क गया। बताया जा रहा है कि ग्रामीणों ने एक अपराधी को पकड़कर उसकी जमकर पिटाई कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और किसी तरह लुटेरे को भीड़ से छुड़ाकर एक कमरे में बंद कर दिया। इसके बाद गुस्साई भीड़ ने अपराधियों की बाइक में आग लगा दी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दो बाइक पर सवार छह अपराधी दुकान पर पहुंचे थे और हथियार के बल पर लूटपाट का प्रयास करने लगे। विरोध करने पर उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी और भागने लगे। चंवर के रास्ते मठिया की ओर भाग रहे अपराधियों में से एक ने घिरता देख फायरिंग कर दी। इसमें गोली लगने से सिसई टोला मठिया निवासी पंचा मिश्र के 32 वर्षीय पुत्र डबल मिश्र की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद ग्रामीणों ने दो अन्य अपराधियों को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया।

स्कूल टीचर की निर्मम हत्या

लाश के टुकड़े बोरे में भरकर फेंके; पति ने कर ली दूसरी शादी

सीवान (संवाददाता)। बिहार के सीवान जिले में एक महिला स्कूल टीचर पत्नी की निर्मम तरीके से हत्या कर दी गई। छपरा की रहने वाली शिक्षिका की लाश सीवान के बसंतपुर थाना क्षेत्र में शहरकोला पंचायत भवन के पास एनएच 227-ए पर शुक्रवार को बरामद किया गया। हत्या के आरोप में शिक्षिका के पति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उससे पूछताछ की जा रही है। हत्या के बाद महिला के शव को कई टुकड़ों में काट दिया गया, फिर बोरे में भरकर फेंका गया। शिक्षिका बीते 12 दिनों से लापता थी। मृतका के पिता के अनुसार उनकी उनकी बेटी ने लव मैरिज की थी। उसके पति ने दो दिन पहले ही दूसरी महिला से शादी भी कर ली।

मृतका की पहचान 23 वर्षीय आराध्या कुमारी के रूप में हुई है। वह छपरा शहर के उत्तरी दहियांवा मोहल्ले की रहने वाली थी और शहर के नेहरू चौक स्थित एक निजी स्कूल में पढ़ाती थी। उसका मायका सारण जिले के रिविलगंज थाना क्षेत्र स्थित नयका बड़का बैजूटोला में था। शुक्रवार को जैसे ही हाइवे किनारे कई टुकड़ों में बंटा हुआ शव मिला तो आसपास के क्षेत्र में सनसनी मच गई। शव को बोरे में बंद कर फेंका गया था। स्थानीय लोगों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। बसंतपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। उसने शव को बरामद किया। हत्या किस दिन हुई यह अभी साफ नहीं हो पाया है।

जांच के दौरान पता चला कि महिला के पिता ने उसका अपहरण किए जाने और हत्या की आशंका जताते हुए छपरा के नगर थाना में एफआईआर दर्ज कराई हुई है। छपरा में दर्ज एफआईआर में पिता प्रवण साह ने बताया कि आराध्या ने अपने परिवार की मर्जी के खिलाफ दीपक साह से लव मैरिज की थी। दीपक की उम्र 30 साल है और वह सारण जिले के भगवानपुर हाट थाना क्षेत्र के साहसा का रहने वाला है। दीपक और आराध्या दोनों आपस में रिश्तेदार भी थे। पिता के अनुसार बीते 12 अप्रैल को आराध्या को उसका पति दीपक रात 10 बजे छपरा स्थित घर से बाइक पर बैठाकर ले गया था। उसके बाद से आराध्या लापता है और मोबाइल नंबर भी बंद बता रहा था। मायके वालों ने आराध्या की तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं मिल पाया। इसके बाद पिता ने पुलिस थाने में पति द्वारा उसका हत्या की नीयत से अपहरण किए जाने की आशंका जताते हुए एफआईआर भी दर्ज कराई।

बताया जा रहा है कि आराध्या और दीपक के बीच प्रेम विवाह हुआ था। उनकी शादी में दीपक के माता, पिता और आराध्या के स्कूल के कुछ शिक्षक ही शामिल हुए थे। हालांकि, बाद में दोनों के रिश्ते में दरार आना शुरू हो गई। आराध्या के पिता के अनुसार, उसके दामाद दीपक कुमार ने तीन दिन पहले ही दूसरी शादी भी कर ली। पचरुखी बाजार की रहने वाली एक युवती से 21 अप्रैल को उसका विवाह हुआ। निजी स्कूल की टीचर आराध्या की निर्मम हत्या की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

वैशाली एक्सप्रेस में टिकट की मारामारी, सुपौल-नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन के ललितग्राम तक विस्तार की मांग तेज

सुपौल (संवाददाता)। बिहार के सुपौल जिले के ललितग्राम से देश की राजधानी नई दिल्ली के बीच चलने वाली वैशाली एक्सप्रेस ट्रेन में कंफर्म टिकट की मारामारी रहने से यात्री लगातार परेशान हैं। आलम यह है कि ट्रेन का आरक्षण जैसे ही खुलता है, कुछ ही घंटों में वेटिंग या आरएएसी लग जाती है। ऐसे में दिल्ली और सुपौल के बीच यात्रा करने वाले लोगों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ता है।

गर्मी की छुट्टियों में यात्रियों के दबाव को देखते हुए रेलवे ने सुपौल और नई दिल्ली के बीच स्पेशल ट्रेन का परिचालन भी शुरू किया गया है। इससे यात्रियों को राहत तो मिली है, लेकिन जिले के कई क्षेत्रों के लोग अब भी परेशान हैं। इसलिए इस स्पेशल ट्रेन का विस्तार ललितग्राम तक करने की मांग उठ रही है। रेलवे द्वारा हाल ही में सुपौल से नई दिल्ली के बीच ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन (04071/04072) को शुरू किया है। इससे यात्रियों को काफी हद तक राहत मिली है। हालांकि, ललितग्राम, राघोपुर एवं सरायगढ़ क्षेत्र के रेल यात्रियों को अब भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

यहां के लोगों का कहना है कि ललितग्राम से नई दिल्ली के लिए एकमात्र ट्रेन वैशाली एक्सप्रेस ही चलती है, जिसमें कंफर्म सीट मिलना बहुत मुश्किल है। ऐसे में यात्रियों को मजबूरी में दूरस्थ बड़े स्टेशनों से यात्रा करनी पड़ती है। इससे उनका समय भी अधिक लगता है और जेब भी ढीली होती है। अगर ललितग्राम से दिल्ली के लिए एक नई स्पेशल ट्रेन चले या सुपौल से चलने वाली ट्रेन का ही यहां तक विस्तार हो जाए तो काफी सहूलियत होगी।

इस मुद्दे को लेकर अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी लगातार आवाज उठाई जा रही है। यात्रियों एवं सामाजिक संगठनों द्वारा सुपौल-नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन के ललितग्राम तक विस्तार की मांग जोर पकड़ रही है। समाजसेवी मयंक गुप्ता ने बताया कि कि अगर स्पेशल ट्रेन का ललितग्राम तक विस्तार हो जाए, तो सुपौल जिले के बड़े हिस्से के यात्रियों को सीधी और सुगम रेल सेवा उपलब्ध हो सकेगी वहीं, पवन अग्रवाल ने कहा कि इस ट्रेन का विस्तार होने से ना केवल यात्रियों की लंबे समय से चली आ रही समस्या का समाधान होगा, बल्कि क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और विकास को भी नई गति मिलेगी। गौरतलब है कि बीते माह स्थानीय सांसद दिलेश्वर कामैत द्वारा भी ललितग्राम से नई दिल्ली के बीच नई ट्रेन चलाने की मांग उठाई गई थी। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि रेलवे प्रशासन इस मांग पर जल्द सकारात्मक निर्णय लेते हुए क्षेत्र को बेहतर रेल सुविधा उपलब्ध कराएगा।

पुरानी मेरिट के आधार पर नौकरी नहीं, पंचायत प्रखंड शिक्षक नियुक्ति में हाईकोर्ट का फैसला

पटना (संवाददाता)। हाईकोर्ट ने पंचायत एवं प्रखंड शिक्षक नियुक्ति विवाद में अहम फैसला दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि सालों पुरानी मेरिट लिस्ट के आधार पर नौकरी का दावा नहीं किया जा सकता है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संगम कुमार साहू और जस्टिस हरीश कुमार की खंडपीठ ने एक साथ दायर दर्जनों अपीलों को खारिज कर दिया। अदालत ने बिहार सरकार के फैसले को ही सही ठहराया है। इससे याचिकाकर्ताओं को झटका लगा है।

यह मामला साल 2006 और 2008 की शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया से जुड़ा हुआ था। उस समय चयन सूची में शामिल कई अभ्यर्थियों को नियुक्ति नहीं हो सकी थी। इसके बाद 2012 में जब कुछ पद खाली हुए तो, तो अभ्यर्थियों ने जिला अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर कर नियुक्ति ले ली।

बाद में राज्य सरकार ने इन नियुक्तियों को राज्य अपीलीय प्राधिकरण में चुनौती दी। राज्य अपीलीय प्राधिकरण ने नियुक्तियां को रद्द करते हुए उन अभ्यर्थियों को शिक्षक के पद से हटा दिया था। साथ ही उनसे वेतन की वसूली करने का आदेश भी दिया गया था। इसके बाद हटाए गए शिक्षक अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट में सरकार के इस फैसले को चुनौती दी थी। पटना हाईकोर्ट की खंडपीठ ने अपने 103 पेज के फैसले में स्पष्ट किया कि 2006-08 की चयन प्रक्रिया वर्ष 2010 में ही समाप्त हो चुकी थी। बाद में उत्पन्न रिक्तियों को पुरानी मेरिट सूची से भरना नियमों के विपरीत है।

पप्पू यादव के खिलाफ जेडीयू नेत्री ने की थाने में शिकायत

पटना (संवाददाता)। बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव महिलाओं को लेकर दिए गए एक बयान को लेकर फंसते नजर आ रहे हैं। नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड की एक नेत्री ने पप्पू यादव के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए पटना पुलिस को आवेदन दिया है। इसमें सांसद पर महिलाओं के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया है। सांसद ने पिछले दिनों कहा था कि नेताओं के कमरे में गए बगैर 90 प्रतिशत महिलाएं राजनीति नहीं कर सकती हैं। इस बयान पर सियासी बवाल मचा हुआ है और एनडीए की ओर से उनसे सार्वजनिक माफी की मांग की जा रही है। जदयू नेत्री ने अपने आवेदन में सांसद पप्पू यादव के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

शक नहीं, यकीन की बात है' इरादे बयान से नहीं, बर्ताव से साबित होते हैं

मआज़ खान

NSA अजीत डोभाल ने कहा कि 'मुस्लिम समुदाय सरकार के इरादे पर कभी शक न करे'। डोभाल जी को और सरकार को यह आश्वस्त रहना चाहिए कि भारतीय मुसलमान इस देश का हिस्सा है। वह किसी की मंशा पर बेवजह शक नहीं करता। लेकिन सवाल शक का है ही नहीं, सवाल यकीन का है। शक तब होता है जब सबूत न हो। यकीन तब होता है जब बातें और हरकतें रोज आंखों के सामने हों।

जब भाषा ही इरादा बता दे : चुनावी मंचों से जब देश के प्रधानमंत्री वोट बटोरने के लिए एक समुदाय को निशाना बनाकर ऐसी भाषा का प्रयोग करते हैं जो किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं, तो शक नहीं रह जाता। यकीन हो जाता है। जब 'घुसपैठिए', 'ज्यादा बच्चे पैदा करने वाले', 'मंगलसूत्र छीनने वाले' जैसे जुमले उछाले जाते हैं, तो यह सिर्फ चुनावी बयान नहीं रह जाता। यह एक सोच का एलान है। एक 20 करोड़ आबादी वाले समुदाय को बार-बार कटघरे में खड़ा करना और फिर उससे 'शक न करने' की उम्मीद रखना, दोनों एक साथ कैसे संभव है?

जब कुर्सी से निकले लफ्ज़ जख्म दे जाएं : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री जब मुसलमानों के लिए ऐसे शब्दों का प्रयोग करते हैं जिन्हें दोहराया भी नहीं जा सकता, तो यह कानून-व्यवस्था का सवाल नहीं रह जाता। यह सम्मान का सवाल बन जाता है। 'ठोक देंगे 'गर्मी उतार देंगे', 'ये लोग' जैसी भाषा जब संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति से आती है, तो संदेश साफ होता है। बुलडोजर सिर्फ मकान पर नहीं चलता, वह एक समुदाय के भरोसे पर भी चलता है। अभी बंगाल-असम चुनाव में व्यस्तता है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का मुसलमानों के प्रति नज़रिया क्या किसी से छुपा है? देश के सबसे बड़े प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ का हर चुनावी सभा में दिया गया बयान सुनने के बाद भी क्या शक को यकीन में बदलने के लिए गुंजाइश बचती है? 'मुल्ले सड़क पर झाड़ू लगाते दिखेंगे', 'बंगाल को काबा की धरती नहीं बनने देंगे' - यह सब बयान आपसी विश्वास को कमजोर करते हैं।

इरादे बयान से नहीं, बर्ताव से साबित होते हैं : सरकार कहती है 'सबका साथ, सबका विकास'। पर ज़मीन पर जब ष्ट-हत्रष्ट जैसे कानून लाए जाते हैं, जब हिजाब-हलाला -मस्जिद पर रोज बहस होती है, जब मॉब लिंचिंग के आरोपियों का फूल-मालाओं से स्वागत होता है, तो 'इरादे पर शक न करो' की अपील खोखली लगती है। मुसलमानों ने इस देश को चुना था। 1947 में पाकिस्तान नहीं गए। कारगिल में लड़े, ढ्रस्त्रह्र में सैटेलाइट बनाए, फिल्मों से लेकर खेल तक में तिरंगा ऊंचा किया। शक वो नहीं करते। पर जब बार-बार उन्हें ही 'देशभक्ति साबित करो' कहा जाए, तो तकलीफ होती है।

डोभाल जी, सरकार से गुज़ारिश है: शक मिटाना है तो बयान नहीं, व्यवहार बदलिए। चुनावी भाषणों की स्क्रिप्ट बदलिए। कुर्सी की गरिमा का ख्याल रखिए। क्योंकि भरोसा अपील से नहीं, बराबरी के एहसास से बनता है। भारतीय मुसलमान शक नहीं करता। वो सब देखता है, सुनता है और समझता है। और उसी के आधार पर यकीन करता है। फिलहाल ज़मीन पर जो दिख रहा है, उससे यकीन यही बनता है कि सरकार के इरादे में मुसलमानों के लिए कुछ सही नहीं है। इसे बदलने की ज़िम्मेदारी भी सरकार की है, समुदाय की नहीं। बाकी सरकारों को यह यकीन दिलाना पड़ेगा कि सरकारें किसी की भी हों, इस समाज की भी देश के विकास में उतनी ही भागीदारी है जितनी भागीदारी दूसरे समुदाय की है। एक हो जाएँ तो बन सकते हैं तो खुर्शीदो मुंबी, वर्ना इन बिखरे हुए तारों से क्या बात बने।

पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाकर विकसित भारत की नींव को मजबूत कर रही है हमारी सरकार : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री ने अपने अनुभव साझा कर गांव के विकास में पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका को बताया महत्वपूर्ण

रायपुर।

डबल इंजन की हमारी सरकार पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाकर विकसित भारत की नींव को मजबूत कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में गांवों के समग्र विकास का नया अध्याय लिखा जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर के डीडीयू ऑडिटोरियम में आयोजित पंचायत पदाधिकारी सम्मेलन में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री पंचायती राज दिवस के अवसर पर आयोजित पंचायत पदाधिकारी सम्मेलन में हुए शामिल मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों की सक्रियता से ही गांवों का विकास होगा और अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचेगा। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों और पंचायत प्रतिनिधियों को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस की शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत पंचायत प्रतिनिधि के रूप में की थी तथा पंच और सरपंच के दायित्व का निर्वहन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पंचायत प्रतिनिधि के रूप में गांव के विकास को लेकर जो अनुभव प्राप्त होते हैं, वही आगे बढ़ने में सहायक होते हैं। आज हजारों जनप्रतिनिधि पंचायत से अपना सफर शुरू कर देश के उच्च सदनों तक पहुंचे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों को स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर बनाने में पंचायतों की महत्वपूर्ण भूमिका है और जमीनी स्तर पर बेहतर कार्य करने से ही प्रभावी नीतियां बनती हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अब ग्रामीणों को पक्के मकान मिल रहे हैं, साथ ही प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से गांवों की कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि अटल डिजिटल सेवा केंद्रों के माध्यम से बैंकिंग, बिजली बिल भुगतान, पेंशन और बीमा जैसी सेवाएं अब ग्रामीणों के लिए सहज हो गई हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में तेजी आई है। महिलाओं के लिए महतारी सदन का निर्माण किया जा रहा है, जिनमें से कई पूर्ण हो चुके हैं और इनसे महिलाओं को सीधा लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने पंचायत प्रतिनिधियों से कहा कि पंचायतों में संचालित सभी गतिविधियों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करें, ताकि गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ सभी विकास कार्य पूर्ण हो सकें। उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन 2.0 के अंतर्गत हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके सफल क्रियान्वयन में पंचायतों की जिम्मेदारी बड़ी है और इसे समयबद्ध रूप से पूरा करने में पंचायत प्रतिनिधियों को अपनी सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सुशासन तिहार के आयोजन का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके माध्यम से आमजनों की समस्याओं के समाधान के लिए शिविर लगाए जाएंगे। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से सुशासन तिहार के आयोजन और इसके माध्यम से अपने क्षेत्र की समस्याओं की पहचान कर उनके समाधान में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना के तहत लंबित बिजली बिलों के भुगतान के लिए विशेष अवसर प्रदान किया जा रहा है, जिसमें सरचार्ज पूरी तरह माफ किया गया है और अतिरिक्त रियायत का भी प्रावधान है। श्री साय ने प्रतिनिधियों से इसका लाभ अधिक से अधिक ग्रामीणों को दिलाने की बात कही।

राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय की मंशा के अनुरूप अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों को पंचायत दिवस की बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश में पंचायतों को आर्थिक रूप से सशक्त करते हुए विकास कार्यों की लगातार स्वीकृति प्रदान की जा रही है।

उन्होंने कहा कि गांवों के विकास की जिम्मेदारी के साथ-साथ पंचायत प्रतिनिधियों पर सामाजिक जिम्मेदारी भी होती है, जिसका वे बखूबी निर्वहन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पंचायत पदाधिकारी सम्मेलन के दौरान जिला प्रशासन द्वारा प्रोजेक्ट छांव के अंतर्गत आयोजित मेगा स्वास्थ्य शिविर और विभिन्न प्रोजेक्ट पर आधारित स्टालों का अवलोकन किया। उन्होंने सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं से चर्चा की और आजीविका संवर्धन के लिए उनके प्रयासों की सराहना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने जिला प्रशासन रायपुर द्वारा नवजात शिशुओं में जन्मजात हृदय रोगों की पहचान के लिए प्रोजेक्ट धड़कन, देहदान को प्रोत्साहित करने के लिए प्रोजेक्ट दधीचि, किसानों को नवाचार से जोड़ने के लिए प्रोजेक्ट नैनो, प्रोजेक्ट रचना, प्रोजेक्ट स्मृति पुस्तकालय, प्रोजेक्ट पाई-पाई, ग्लोबल गांव, ज्ञान भारतम, प्रोजेक्ट सिग्नल, मेरा गांव मेरी पहचान, प्रोजेक्ट अजा, प्रोजेक्ट बिजनेस दीदी समेत विभिन्न प्रोजेक्ट के स्टालों का अवलोकन किया और हितग्राहियों को प्रशस्ति पत्र एवं राशि का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने प्रोजेक्ट अजा के तहत बकरी पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दो दीदियों को ई-रिक्शा की चाबी सौंपी। साथ ही प्रोजेक्ट आरोग्यम के कटआउट और प्रोजेक्ट हैंडी के तहत शासन की योजनाओं की संक्षिप्त पुस्तक का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन द्वारा संचालित इन गतिविधियों से आमजनों को हो रहे व्यापक लाभ के लिए उनके प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर विधायक श्री अनुज शर्मा, विधायक श्री इंद्र कुमार साहू, तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री जितेंद्र साहू, छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन समेत त्रि-स्तरीय पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

आगामी मई-जून में संभावित स्थानीय निकायों के आम/उप निर्वाचन की तैयारियों के संबंध में राज्य निर्वाचन आयुक्त द्वारा ली गई उच्च स्तरीय बैठक

रायपुर।

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरपालिकाओं एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के आगामी आम/उप निर्वाचन मई-जून 2026 की तैयारियों के संबंध में आज आयोग कार्यालय भवन, नवा रायपुर में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह द्वारा की गई।

बैठक में सामान्य प्रशासन विभाग, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लेते हुए निर्वाचन संबंधी तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की।

राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह ने बताया कि नगरपालिकाओं के कुल 83 पदों (अध्यक्ष के 06 पद एवं पार्षद के 77 पद) तथा त्रिस्तरीय पंचायतों के कुल 1202 पदों (जनपद पंचायत सदस्य के 10, सरपंच के 82 एवं पंच के 1110 पद) हेतु आम/उप निर्वाचन माह मई-जून 2026 में प्रस्तावित है। इसके लिए निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी किया जा चुका है तथा निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन 05 मई 2026 को किया जाएगा, जिसके पश्चात आयोग द्वारा निर्वाचन कार्यक्रम जारी किया जायेगा ।

बैठक में राज्य निर्वाचन आयुक्त द्वारा सामान्य प्रशासन विभाग को निर्वाचन हेतु पर्याप्त अधिकारी/कर्मचारी उपलब्ध कराने, आदर्श आचरण संहिता के पालन हेतु आवश्यक निर्देश जारी करने तथा मतदान तिथि को सामान्य अवकाश घोषित करने की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सामान्य प्रेक्षकों की उपलब्धता के संबंध में अतिरिक्त अधिकारियों की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर बल दिया। बैठक में निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराने हेतु सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अन्य विषयों पर भी आवश्यक चर्चा की गई।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग की सचिव श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी, सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव श्री अविनाश चंपावत, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव श्री बसवराजू एस, संचालक पंचायत श्रीमती प्रियंका महोबिया सहित निर्वाचन आयोग के अधिकारीगण उपस्थित थे।

महतारी वंदन योजना

प्रदेशभर में महिलाओं को आर्थिक संबल, आत्मनिर्भरता की नई दिशा

रायपुर।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए संचालित महतारी वंदन योजना आज पूरे प्रदेश में सकारात्मक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बनकर उभर रही है। यह योजना ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों की महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने तथा उनके जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार लाने की दिशा में प्रभावी भूमिका निभा रही है।

प्रदेश के विभिन्न जिलों में इस योजना के माध्यम से लाखों महिलाएं सीधे लाभान्वित हो रही हैं। नियमित रूप से उनके बैंक खातों में पहुंच रही सहायता राशि से वे न केवल अपनी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति कर पा रही हैं, बल्कि परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में भी सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं। इससे महिलाओं में आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और निर्णय लेने की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है। सक्ति जिला अंतर्गत ग्राम पंचायत भूरसीडीह की निवासी श्रीमती नवधा बाई पटेल इस योजना के सकारात्मक प्रभाव का जीवंत उदाहरण हैं। उन्होंने बताया कि योजना के तहत प्राप्त मासिक सहायता राशि सीधे उनके बैंक खाते में आ रही है, जिससे घरेलू आवश्यकताओं—जैसे राशन, बच्चों की जरूरतें एवं अन्य खर्चों—की पूर्ति अब सहज हो गई है। पहले सीमित आय के कारण जिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, अब वह काफी हद तक कम हो गया है। इस योजना ने उनके जीवन में आर्थिक स्थिरता के साथ विश्वास और सम्मान की भावना को भी मजबूत किया है। उल्लेखनीय है कि महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जा रही है। मार्च 2024 में प्रारंभ इस योजना के अंतर्गत अब तक 26 किस्तों में कुल 16,881 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है, जिससे लाखों महिलाओं को सीधा लाभ मिला है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा नरेन्द्र मोदी की गारंटी को पूरा करने एवं महिलाओं के समग्र विकास के उद्देश्य से प्रारंभ की गई यह योजना आज महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ उनके सामाजिक सम्मान को भी सुदृढ़ कर रही है।

राज्यपाल रमेन डेका से फिल परमार्थ आश्रम के संस्थापक ने की भेंट

रायपुर । रमेन डेका से फिल परमार्थ आश्रम, भिलाई के संस्थापक श्री अमित राज ने सौजन्य मुलाकात की। इस

दौरान उन्होंने आश्रम की गतिविधियों एवं समाजसेवा से जुड़े कार्यों की जानकारी राज्यपाल को दी। आश्रम द्वारा सड़कों पर लावारिस अवस्था में घूम रहे बुजुर्गों तथा मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्तियों का रेस्क्यू कर उन्हें आश्रम में आश्रय दिया जाता है। वहां उनके उपचार, देखभाल, भोजन तथा आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की जाती है।

उन्होंने बताया कि अब तक आश्रम के माध्यम से 208 लोगों को राहत एवं पुनर्वास उपलब्ध कराया जा चुका है। वर्तमान में आश्रम में 94 लोग निवास कर रहे हैं, जिनकी नियमित देखरेख की जा रही है। उन्होंने राज्यपाल से आश्रम का भ्रमण करने का आग्रह भी किया। राज्यपाल ने आश्रम द्वारा किए जा रहे मानवीय एवं सेवा कार्यों की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी पहल बताया। उल्लेखनीय की राज्यपाल द्वारा इस संस्था को पूर्व में 2 लाख रुपए का स्वेछानुदान भी प्रदान किया गया है।

बिलासपुर जिला ने रचा इतिहास : 50 हजार से अधिक परिवारों के 'अपना घर' का सपना हुआ साकार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के सफल क्रियान्वयन में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए 50 हजार से अधिक ग्रामीण परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराए हैं। यह उपलब्धि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), पीएम जन मन योजना एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के प्रभावी क्रियान्वयन का परिणाम है, जिसके माध्यम से जिले के हजारों जरूरतमंद परिवारों को सुरक्षित व सम्मानजनक जीवन की नई शुरुआत मिली है।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर बिलासपुर जिले ने ग्रामीण विकास के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए 50 हजार 44 परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराए हैं। जिला प्रशासन द्वारा योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और

समयबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। कुल 781.13 करोड़ रुपये की राशि सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई और कार्यों में तेजी आई। क्षेत्रवार आंकड़ों पर नजर डालें तो मस्तूरी विकासखंड 14 हजार 973 आवासों के साथ जिले में शीर्ष पर रहा। इसके बाद बिल्हा में 13 हजार 762, कोटा में 11हजार 205 और तखतपुर में 10 हजार 104 आवासों का निर्माण पूर्ण किया गया। यह आंकड़े न केवल प्रशासनिक दक्षता को दर्शाते हैं, बल्कि जमीनी स्तर पर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को भी साबित करते हैं।

इस सफलता के पीछे 'नारी शक्ति' की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जिले में 113 महिलाओं को 'रानी मिस्त्री' के रूप में प्रशिक्षित कर उन्हें निर्माण कार्य में सक्रिय भागीदारी दी गई, जिससे वे आत्मनिर्भर बनीं। वहीं 331 महिलाओं को 'डीलर दीदी' बनाकर निर्माण सामग्री की आपूर्ति की जिम्मेदारी सौंपी गई, जिससे स्थानीय स्तर पर संसाधनों की उपलब्धता बढ़ी। इसके अलावा 2,231 महिलाओं को शटरिंग सामग्री किराये पर उपलब्ध कराने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जिससे निर्माण कार्यों में तेजी आई और महिलाओं की आय के नए स्रोत विकसित हुए।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत वर्ष 2016-17 से 2025-26 तक जिले ने कुल एक लाख 3 हजार 873 आवास पूर्ण कर छत्तीसगढ़ में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि जिले की मजबूत कार्ययोजना, सतत मॉनिटरिंग और जनसहभागिता का परिणाम है। इस योजना का मानवीय पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। ग्राम डारसागर की झांगली बैगा और ग्राम नेवसा की कैलाशा बाई जैसी हितग्राही, जो वर्षों से कच्चे मकान में कठिन परिस्थितियों में जीवन यापन कर रही थीं, आज पक्के घर में सुरक्षित और सम्मानपूर्वक जीवन जी रही हैं। उनके लिए यह केवल एक मकान नहीं, बल्कि सुरक्षा, आत्मसम्मान और बेहतर भविष्य का प्रतीक है।

कलेक्टर बिलासपुर ने इस उपलब्धि को जिले के लिए गौरवपूर्ण बताते हुए कहा कि ये 50 हजार से अधिक घर केवल ईंट और सीमेंट की संरचनाएं नहीं, बल्कि गरीब परिवारों के सम्मान और सुरक्षा की नींव हैं। वहीं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि भविष्य में भी पारदर्शिता और प्रतिबद्धता के साथ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता रहेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने बंगाल में रिकॉर्ड मतदान पर दिया बड़ा बयान, बोले- मतदान परिवर्तन के लिए जनादेश का संकेत

कृष्णानगर (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में हुए मतदान को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि अब तक के मतदान आंकड़ों से उन्हें पूरा विश्वास है कि भारतीय जनता पार्टी को राज्य में शानदार जीत मिलेगी। सूबे के नदिया जिले के कृष्णानगर और बाद में मथुरापुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने पहले चरण में भारी मतदान के लिए पश्चिम बंगाल की जनता को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह मतदान 'परिवर्तन के लिए शानदार जनादेश' का संकेत है। बता दें कि पश्चिम बंगाल में पहले फेज में करीब 92 फीसदी वोटिंग हुई है।

चुनाव आयोग की भूमिका की सराहना करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'निर्वाचन आयोग इस बात के लिए बधाई का पात्र है कि उसने चुनाव में हिंसा की कोई बड़ी घटना नहीं होने दी। बंगाल में पिछले 50 वर्षों के चुनावी इतिहास में यह पहली बार है कि हिंसा की घटनाएं न्यूनतम रहीं। मतदान के बारे में अब तक मुझे जो जानकारी मिली है, उससे मुझे पूरा विश्वास है कि यह बंगाल के मतदाताओं द्वारा बदलाव के पक्ष में एक शानदार जनादेश होगा।' प्रधानमंत्री ने देश के अन्य राज्यों के चुनाव आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया कि जब भी लोगों ने बड़ी संख्या में मतदान किया है, तब-तब बीजेपी को निर्णायक जीत मिली है। पहले चरण में बंगाल की 152 विधानसभा सीटों पर कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच मतदान हुआ। शाम 5 बजे तक औसतन लगभग 90 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। कुछ जगहों से छिटपुट हिंसा की खबरें भी सामने आई हैं। सुरक्षा के लिए केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की 2,400 से अधिक कंपनियां तैनात की गई थीं।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि मतगणना के बाद 4 मई को बीजेपी की बंगाल इकाई विजयोत्सव मनाएगी, जिसमें लोगों को मिठाई के साथ-साथ 'झालमुड़ी' भी बांटी जाएगी। उन्होंने कहा, 'मैंने सुना है कि झालमुड़ी ने भी कुछ लोगों को करारा झटका दिया है। मैंने झालमुड़ी खाई थी, लेकिन ऐसा लगता है कि तृणमूल नेताओं को मिर्ची लग रही है।'

'कुछ जिलों में एक भी सीट नहीं जीत पाएगी तृणमूल' : पीएम मोदी ने मथुरापुर में राज्य में 'तृणमूल के सिंडिकेट' और 'आपराधिक और माफिया गठजोड़' का भी जिक्र किया और दावा किया कि पार्टी कुछ जिलों में एक भी सीट नहीं जीत पाएगी। उन्होंने कहा कि 4 मई को 'तृणमूल के सिंडिकेट' की एक्सपायरी डेट है।बता दें कि कृष्णानगर की रैली उस क्षेत्र में हुई थी जहां नामशूद्र मतुआ समुदाय की बड़ी आबादी है। यहां मतदाता सूची से नाम हटाने को लेकर लोगों में नाराजगी की बात भी सामने आई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि चुनाव के बाद बांग्लादेश से आए 'उत्पीड़ित शरणार्थियों' को नागरिकता देने की प्रक्रिया तेज की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया, 'तृणमूल का नारा है 'घुसपैठियों के साथ, घुसपैठियों का विकास।'

मुझे किसी पद की लालसा नहीं, केंद्र में भाजपा सरकार का अंत चाहती हूं : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में रिकॉर्ट वोट पड़े हैं। पहले चरण में शाम 5:00 बजे तक लगभग 90 फीसदी मतदान हुआ है। पहले फेज के मतदान के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता में एक रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि मतदान के शुरुआती रुझान तृणमूल कांग्रेस की बड़ी जीत की ओर इशारा कर रहे हैं। ममता बनर्जी ने कहा, 'मैं लोगों के मन को जितना समझ पाई हूं, उसके हिसाब से अभी तक हुए मतदान को देखते हुए यह कह सकती हूं कि हम पहले से ही जीत की स्थिति में हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे किसी पद में कोई दिलचस्पी नहीं है, मैं सिर्फ केंद्र में भाजपा सरकार का अंत चाहती हूं।'

कोलकाता के बो बाजार इलाके में आयोजित रैली में ममता ने कहा कि चुनाव जीतने के बाद वह सभी विपक्षी दलों को साथ लेकर दिल्ली (केंद्र की सत्ता) पर विजय हासिल करेंगी। वहीं, पश्चिम बंगाल के पहले चरण के मतदान में बीजेपी के प्रदर्शन को लेकर सुवेंदु अधिकारी का कहना है, 'चुनाव आयोग सफल रहा, शांतिपूर्ण चुनाव हुआ। मेरी जानकारी में 90 फीसदी वोटिंग हुई। हम पहले फेज में 125 सीट जीतेंगे। मुस्लिम वोट तो पहले ही कंसोलिडेट हो गया था, लेकिन नतीजों के बाद देखना कि 85 फीसदी हिंदू आपको बीजेपी के साथ दिखेगा। दूसरा फेज हमारे लिए मुश्किल नहीं है। बस गुंडागर्दी को काबू करना होगा। बता दें कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण के तहत 152 सीटों पर मतदान हुआ। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, शाम पांच बजे तक राज्य में 89.93 फीसदी मतदान दर्ज किया गया।

ईरान की बोट्स को देखते ही गोली मार दो

डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज में तनाव के बीच दिया बड़ा आदेश

दुबई (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से बढ़ते तनाव के बीच बड़ा और सख्त कदम उठाते हुए अमेरिकी सेना को आदेश दिया है कि 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' में बारूदी सुरंगें बिछाने वाली किसी भी ईरानी छोटी नाव को 'देखते ही मार गिराया जाए।' ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा, 'मैंने अमेरिकी नौसेना को आदेश दिया है कि जो भी नाव, चाहे वह छोटी ही क्यों न हो, होर्मुज जलडमरूमध्य के पानी में बारूदी सुरंगें बिछाती नजर आए, उसे तुरंत निशाना बनाया जाए। इसमें किसी तरह की हिचक नहीं होनी चाहिए।

ट्रंप ने यह भी बताया कि अमेरिकी नौसेना इस अहम समुद्री मार्ग में बारूदी सुरंगों को हटाने का काम कर रही है और इस अभियान को तीन गुना तेज करने का आदेश दिया गया है। बता दें कि होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है, जहां से बड़ी मात्रा में वैश्विक तेल आपूर्ति गुजरती है। ऐसे में यहां बढ़ता तनाव अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बन गया है। पिछले कुछ हफ्तों से अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव का एक बड़ा कारण 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' से जहाजों की आवाजाही पर असर पड़ना भी रहा है।

इसी बीच, ट्रंप ने एक अन्य बयान में कहा कि ईरान ने उनकी अपील का सम्मान किया है और कुछ महिला प्रदर्शनकारियों को रिहा करने का फैसला लिया है। ट्रंप ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली है कि 4 महिलाओं को 'तुरंत रिहा' किया जाएगा, जबकि अन्य 4 को एक-एक महीने की सजा दी जाएगी। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, 'मैं इसकी सराहना करता हूं कि ईरान और उसके नेताओं ने मेरी अपील का सम्मान किया और प्रस्तावित फांसी को रोक दिया।' ट्रंप के मुताबिक, इन महिलाओं को बुधवार को फांसी दी जानी थी।

ईरान ने ट्रंप के दावे को किया था खारिज

हालांकि, मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि इन महिलाओं में से 2 को मार्च में ही जमानत पर रिहा कर दिया गया था, जबकि बाकी 2 पर ऐसे आरोप हैं जिनमें मौत की सजा हो सकती है। इन सभी को जनवरी में हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान गिरफ्तार किया गया था। ट्रंप ने इन महिलाओं की तस्वीर भी सोशल मीडिया पर साझा की थी, जिसमें 2 किशोर लड़कियां भी शामिल थीं। यह तस्वीर एक रूढ़िवादी कार्यकर्ता द्वारा साझा की गई जानकारी के आधार पर पोस्ट की गई थी, जिसमें बताया गया था कि ये महिलाएं ईरान में मुकदमे का सामना कर रही हैं। वहीं, ईरान ने ट्रंप के दावे के पूरी तरह खारिज कर दिया था।

बिहार के रेल यात्रियों की मौज, स्पेशल ट्रेनें अब होंगी रेगुलर; खत्म होगा एक्स्ट्रा किराया

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। उत्तर बिहार और मुजफ्फरपुर से गुजरने वाले रेल यात्रियों के लिए रेलवे बोर्ड ने एक बड़ा राहत भरा फैसला लिया है। अब तक 'स्पेशल' के नाम पर चल रही ट्रेनों को नियमित करने की हरी झंडी दे दी गई है। इस निर्णय के बाद न केवल ट्रेनों का किराया कम हो जाएगा, बल्कि यात्रियों को सीटों की बुकिंग के लिए अब लंबा समय भी मिलेगा। इस फैसले से मुजफ्फरपुर से गुजरने वाली आधा दर्जन से अधिक ट्रेनों को नियमित किया जा रहा है। अब तक 'स्पेशल ट्रेन' होने के कारण इन ट्रेनों में यात्रियों को अतिरिक्त किराया देना पड़ता था। नियमित होने के बाद इनका किराया सामान्य एक्सप्रेस ट्रेनों के बराबर हो जाएगा। ट्रेनों के नंबर के आगे से 'शून्य' हटा लिया जाएगा, जिससे इनके परिचालन और पहचान में आसानी होगी। यात्रियों के लिए सबसे बड़ी राहत रिजर्वेशन को लेकर है। वर्तमान में चल रही स्पेशल ट्रेनों में सीट आरक्षित करने के लिए केवल 15 दिन का समय मिलता था, जिससे अचानक यात्रा करने वालों को बड़ी दिक्कत होती थी। अब नियमित होने के बाद यात्री इन ट्रेनों में 60 दिन पहले अपनी सीट बुक करवा सकेंगे। बोर्ड के निर्देश पर जोनल स्तर पर इसकी तैयारी युद्ध स्तर पर शुरू हो गई है। रेलवे सूत्रों के अनुसार, मुजफ्फरपुर और आसपास के रूटों पर चलने वाली महत्वपूर्ण ट्रेनें जैसे: बरौनी-नई दिल्ली एक्सप्रेस, दरभंगा-नई दिल्ली एक्सप्रेस, भागलपुर-गांधीधाम एक्सप्रेस सहित आधा दर्जन से अधिक ट्रेनों को इस लिस्ट में शामिल किया जा सकता है।

सीटों की संख्या बढ़ाने की तैयारी

रेलवे केवल ट्रेनों को नियमित ही नहीं कर रहा, बल्कि यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए कोचों की संख्या बढ़ाने पर भी विचार कर रहा है। इससे वेटिंग लिस्ट की समस्या कम होगी और अधिक यात्रियों को कन्फर्म सीट मिल सकेगी। रेलवे का लक्ष्य है कि रूट बनाने की पुरानी समस्या को खत्म कर यात्रियों को सुलभ और सस्ती यात्रा का अनुभव कराया जाए।

चलती एम्बुलेंस बनी 'अय्याशी का अड्डा', युवती और दो युवकों का आपत्तिजनक वीडियो वायरल

छतरपुर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश छतरपुर जिले से एक ऐसी घटना सामने आई है जिसने चिकित्सा सेवा की शुचिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं. यहाँ एक चलती एम्बुलेंस के भीतर एक युवती और दो युवकों को कथित तौर पर आपत्तिजनक गतिविधियों में लिप्त पाया गया. इस पूरी घटना का वीडियो किसी राहगीर ने बना लिया, जो अब इंटरनेट पर वायरल हो गया है. जीवन बचाने वाली एम्बुलेंस के इस तरह के दुरुपयोग ने स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की निगरानी प्रणाली पर गंभीर सवालिया निशान लगा दिए हैं. मुख्य आरोपी अयान अहमद का निकाला गया जुलूस, मोबाइल फोन और 'थार' समेत कई अहम सबूत बरामद सोशल मीडिया पर भड़का लोगों का गुस्सा: 'मूविंग ओयो' कहाजैसे ही यह वीडियो सार्वजनिक हुआ, लोगों ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है. सोशल मीडिया यूजर्स ने एम्बुलेंस सेवा की गरिमा को ठेस पहुँचाने वाले इस कृत्य की कड़ी आलोचना की है. कई यूजर्स ने इसे 'मूविंग ओयो' करार देते हुए प्रशासन से एम्बुलेंस चालक और इसमें शामिल युवाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है. लोगों का कहना है कि जिस वाहन का उपयोग मरीजों की जान बचाने के लिए होना चाहिए, उसे अनैतिक कार्यों का अड्डा बनाया जाना बेहद चिंताजनक है.छतरपुर में चलती एम्बुलेंस बनी 'अय्याशी का अड्डा'जांच के घेरे में एम्बुलेंस सेवा और निगरानी तंत्रवीडियो के वायरल होने के बाद पुलिस और संबंधित अधिकारियों द्वारा मामले का संज्ञान लेने की उम्मीद है. जांच के दौरान यह देखा जाएगा कि क्या यह एम्बुलेंस सरकारी थी या निजी, साथ ही, एम्बुलेंस के चालक की भूमिका की भी जांच की जाएगी कि उसने इन बाहरी लोगों को वाहन के भीतर प्रवेश की अनुमति कैसे दी. आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, आपातकालीन वाहनों के लिए बने नियमों और निगरानी प्रणालियों की समीक्षा की जा सकती है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो. राइडर की शर्मनाक करतूत: सफर के बाद महिला को व्हाट्सएप पर भेजा 'मिलने' का मैसेज, कंपनी ने मांगी माफीसार्वजनिक व्यवहार और जिम्मेदारी पर बहसइस घटना ने निवासियों के बीच सार्वजनिक व्यवहार और जिम्मेदारी को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है. स्थानीय लोगों का मानना है कि आपातकालीन वाहनों की सख्त निगरानी और जीपीएस ट्रैकिंग जैसे सिस्टम होने चाहिए ताकि उनके वास्तविक स्थान और उपयोग का पता चल सके. फिलहाल, पुलिस मामले की तह तक जाने के लिए वीडियो के स्रोत और उसमें दिख रहे लोगों की पहचान करने की कोशिश कर रही है.

50 फीट ऊंचे डबल डेकर पुल से कूदी युवती, हालत गंभीर

पटना (एजेंसी)। राजधानी पटना में अशोक राजपथ स्थित डबल डेकर पुल से शाम करीब छह बजे एक युवती ने छलांग लगा दी। हालांकि नीचे मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए उसे लपककर बचाने की कोशिश की, जिससे उसकी जान बच गई। करीब 50 फीट की ऊंचाई से गिरने के कारण लोग उसका भार संभाल नहीं सके और वह उनके हाथों से फिसलकर नीचे गिर गई। इससे उसके सिर समेत शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। उसकी हालत गंभीर है। वह बार-बार जगती है और फिर बेहोश हो जाती है। लड़की की पहचान खबर लिखे जाने तक नहीं हुई थी। पुलिस उसे परिवार के वारे में पता लगा रही है।

घटना पीरबहोर थाना क्षेत्र के रमना रोड के समीप हुई। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायल युवती को तुरंत पीएमसीएच के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। युवती के पास से कोई पहचान पत्र या अन्य दस्तावेज नहीं मिलने के कारण देर रात तक उसकी पहचान नहीं हो सकी।

8वीं की छात्रा से हैवानियत

2 बदमाशों ने किया गैंगरेप, एसिड अटैक और किडनैपिंग का वांटेड है आरोपी

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)।

बिहार के मुजफ्फरपुर में एक आठवीं की छात्रा से हैविनयत का खेल खेला गया। जिले कथैया थाना क्षेत्र के एक गांव में देर शाम बदमाशों ने आठवीं की छात्रा से गैंगरेप किया। खून से लथपथ छात्रा जब रोते हुए घर पहुंची तो उसके परिजन हालत देखकर रोने लगे। आनन फानन में उसे अस्पताल पहुंचाया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। कांड का फरार आरोपी एसिड अटैक और एक महिला को किडनैप करने के मामलों में वांटेड है। महिला पुलिस छात्रा से बात कर रही है ताकि घटना के बारे में जानकारी जुटाई जा सके।

बताया जा रहा है कि बुधवार की शाम अपने घर के दरवाजे के समीप छात्रा टहल रही थी। इसी दौरान पहले से घात लगाए बदमाश वहां आ पहुंचे। दोनों ने मिलकर उसे पकड़ लिया। मुंह दबाकर घसीटते हुए गाछी में ले गए, जहां बारी-बारी से दुष्कर्म किया। जल्दीबाजी और जबरदस्ती के कारण छात्रा को काफी चोट आई। आरोपी लहूलुहान हालत में छात्रा को छोड़ कर फरार हो गए।

खून से लथपथ छात्रा घर पहुंची तो घर वाले उसकी हालत देखकर तड़प उठे। परिजन रोने लगे। छात्रा ने रोते हुए परिजनों को घटना की जानकारी दी। आनन-फानन में उसे पहले निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से गंभीर हालत में छात्रा को रेफर कर दिया। परिजन उसे लेकर मोतीपुर पीएचसी पहुंचे। वहां से चिकित्सकों ने सदर अस्पताल भेज दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन की। एफएसएल की टीम ने घटनास्थल से नमूने लिए।

परिजनों ने कथैया थाना में दो युवकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित कुमोद कुमार को गिरफ्तार कर लिया, जबकि मुख्य आरोपित आयुष कुमार यादव की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। परिजनों ने पुलिस को बताया कि छात्रा 7.30 बजे दरवाजे के समीप टहल रही थी। इसी दौरान दोनों दरिंदों ने उसे पकड़ लिया और घसीटते हुए बगल के एक गाछी में ले गए, जहां बारी-बारी से दुष्कर्म किया।

इधर, डीएसपी पश्चिमी-1 सुचित्रा कुमारी ने बताया कि दो आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एक आरोपित की गिरफ्तारी की जा चुकी है। पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए भेजा गया है। थानेदार ओमपुकार प्रिय ने बताया कि फरार मुख्य आरोपित आयुष कुमार यादव के खिलाफ 2025 में देवरिया थाने में एक युवती पर तेजाब फेंकने का मामला दर्ज है। वहीं, 2025 में कथैया थाने में एक महिला को अगवा करने का मामला दर्ज है, इन मामलों में पुलिस को उसकी तलाश है।

पटना की महिला दारोगा का पति पर गंभीर आरोप

अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल, हत्या का प्रयास

पटना (एजेंसी)। बिहार पुलिस की एक महिला दारोगा ने पति और ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगाया है। राजधानी पटना में तैनात एक महिला सब-इंस्पेक्टर ने सुगल पक्ष पर दहेज प्रताड़ना, मारपीट, हत्या की कोशिश और ब्लैकमेलिंग के गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप यह भी है कि पति ने कुछ अश्लील वीडियो और फोटो बना लिया है जिसे दिखाकर ब्लैकमेल कर रहा है। पीड़िता ने महिला थाने में प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है, जबकि पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

प्राथमिकी के लिए दिए आवेदन में महिला सब-इंस्पेक्टर उषा कुमारी ने अपने पति और ससुराल पक्ष के सदस्यों पर दहेज को लेकर प्रताड़ना, मारपीट और हत्या की कोशिश के गंभीर आरोप लगाए हैं। वह वर्तमान में नवीन पुलिस लाइन, पटना में पदस्थापित हैं और गर्दनीबाग थाना में रहती हैं। वह मूलरूप से मधुबनी की निवासी है। पीड़िता के अनुसार, उनकी शादी 14 फरवरी 2023 को पटना के सदर कोर्ट में सुमित कुमार मंडल (पिता-देवनाथ मंडल), जो गृह विभाग में एएसओ हैं, से हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही पति, सास-ससुर, देवर और ननद समेत कुल 10 लोगों द्वारा दहेज के लिए मारपीट और गाली-गलौज की जाती रही। महिला एसआई का आरोप यह भी है कि धोखे में रखकर उनके साथ बड़ी साजिश की गई। उनसे 55 लाख का लोन निकलवाकर पटना में एक 70 फीट रोड पर एक कट्ठा जमीन की खरीद की गई। पति ने जमीन अपने नाम कर लिया जबकि लोन की अदायगी अब भी उनसे ही कराई जा रही है। ससुराल वाले उसे उस जमीन से भी बेदखल कर देने की धमकी दे रहे हैं। दारोगा अपने ससुसाल वालों पर पैसे का लोभी होने का आरोप लगाया है। पति भी अपने माता, पिता और बहनों के साथ मिला हुआ है। पीड़िता ने बताया कि 4 अप्रैल 2026 को उसे काफी प्रताड़ित किया गया। पति, सास, भैसुर और ननद ने मिलकर उनके साथ बेरहमी से मारपीट की और मंगलसूत्र से गला दबाकर हत्या की कोशिश की। शोर मचाने पर लोग जुट गए और फिर उन्हें बचाया गया। लोगों ने उनकी बहन को पूरी घटना की सूचना दी। बहन को बुलाकर निजी अस्पताल में उन्हें भर्ती कराया गया। इलाज के बाद आरोपी उस पर केस नहीं करने आरोप लगाया कि पति ने उनके अश्लील फोटो और वीडियो बना रखे हैं, जिनके जरिए उन्हें ब्लैकमेल किया जाता है। पीड़िता ने आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

बहू ने मांगा जमीन में हिस्सा तो ससुराल वालों ने हत्या कर निकाल ली आंख, मकई के खेत में मिली लाश

भागलपुर (एजेंसी)। शाहकुंड थाना क्षेत्र अंतर्गत सरहा गाँव में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहाँ एक महिला द्वारा ससुराल वालों से जमीन में हिस्सा मांगने पर उसकी लाठी-डंडे और धारदार हथियार से मारकर निर्मम हत्या कर दी गई। हत्यारों की दरिंदगी यहीं नहीं रुकी, उन्होंने मृतका की एक आंख तक निकाल ली और साक्ष्य छिपाने के लिए शव को घर से करीब एक किलोमीटर दूर मकई के खेत में फेंक दिया। मृतका की पहचान 34 वर्षीय किरण देवी के रूप में हुई है। किरण के पति जनार्दन यादव की मृत्यु चार साल पहले ही हो चुकी थी। किरण अपने दो मासूम बेटों के भविष्य के लिए ससुराल वालों से जमीन में हिस्सेदारी की मांग कर रही थी। किरण 'जीविका समूह' से भी जुड़ी हुई थी और अपने पैरों पर खड़े होने की कोशिश कर रही थी, लेकिन उसके ससुराल वाले इस मांग के सख्त खिलाफ थे।

सुबह जब किरण घर पर नहीं मिली, तो हड़कंप मच गया। दोपहर में गाँव के बाहर मकई के खेत में उसका शव बरामद हुआ। मृतका के पिता नेपाली महाराणा और भाई रोशन कुमार ने बताया कि किरण के चेहरे, नाक और सिर पर धारदार हथियार से वार किए गए थे और उसकी एक आंख निकाल ली गई थी। वारदात की सूचना मिलते ही डीएसपी नवनीत कुमार और थानाध्यक्ष अनिल कुमार साव पुलिस टीम, एफएसएल और डॉग स्क्वायड के साथ मौके पर पहुँचे। मायके वालों के बयान पर सास, ससुर और दो भैसुर सहित कुल सात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। वारदात के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग घर छोड़कर फरार हैं। पुलिस ने फिलहाल एक महिला को हिरासत में लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि यह एक सोची-समझी साजिश के तहत की गई हत्या है और जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सचिन तेंदुलकर कैसे बने 100 करोड़ की डील वाले पहले क्रिकेटर? मार्क मस्कारेन्हास थे टर्निंग पॉइंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के महान क्रिकेटरों की फेहरिस्त में सचिन तेंदुलकर से पहले डॉन ब्रैडमैन, सुनील गावस्कर और विवियन रिचर्ड्स जैसे खिलाड़ियों का नाम लिया जाएगा, लेकिन किसी क्रिकेटर के ब्रांड बनने की बात होगी तो 'मास्टर ब्लास्टर' का नाम सबसे ऊपर रखा जाएगा। 21वीं सदी की शुरुआत से पहले शायद ही किसी ने सोचा रहा होगा कि कोई क्रिकेटर विज्ञापन से 100 करोड़ रुपये कमाएगा, लेकिन सचिन तेंदुलकर के पहले मैनेजर मार्क मस्कारेन्हास की वजह से यह संभव हुआ।

मार्क मस्कारेन्हास की क्रिकेट की दुनिया में एंट्री 1996 वर्ल्ड कप के दौरान हुई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड से भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका की मेजबानी में हुए विश्व कप के प्रसारण अधिकार 10 मिलियन डॉलर में मस्कारेन्हास की वर्ल्ड टेल ने खरीदे। मार्क मस्कारेन्हास की सचिन तेंदुलकर से रवि शास्त्री ने 1995 में श्रीलंका में मुलाकात कराई थी।

मार्क से जुड़ने से पहले सचिन का सबसे बड़ा विज्ञापन करार सालाना लगभग 16 लाख रुपये का था। मार्क ने उनके साथ पांच साल के लिए 25 करोड़ रुपये का करार किया। सचिन की गिनती उस समय भी सबसे अमीर क्रिकेटरों में होती थी, लेकिन वर्ल्डटेल के साथ उनके करार ने नए मानक स्थापित किए। 25 करोड़ के करार के बाद ये बातें होने लगीं कि क्या इसमें कोई सच्चाई है? क्या मार्क इतनी कमाई भी कर पाएंगे?

इस बीच सचिन तेंदुलकर के खेल में बदलाव भी आया। उन्होंने वनडे क्रिकेट में पारी की शुरुआत करना शुरू किया। महाराष्ट्र के बॉम्बे (अब मुंबई) में 24 अप्रैल 1973 को जन्में सचिन तेंदुलकर का क्रिकेट के मैदान दबदबा देखने को मिला। इसके बाद वर्ल्डटेल के साथ एडिडास, एमआरएफ और फिलिप्स का करार हुआ। सभी की कीमत सालाना एक करोड़ रुपये से ज्यादा थी। पेप्सी और बूस्ट जैसे पुराने ब्रांड ने भी कीमत बढ़ा दी।मार्क का दांव सफल रहा। इसके लिए उन्होंने खूब मेहनत की। उन्होंने सचिन तेंदुलकर के प्रचार में भी कोई कोताही नहीं बरती। शारजाह में 1998 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सचिन तेंदुलकर की पारी को कौन भूल सकता है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर इयान चैपल ने 2019 में मस्कारेन्हास को लेकर लिखे कॉलम में भारत, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच खेली गई इस त्रिकोणीय सीरीज का दिलचस्प वाकया बताया। मार्क मस्कारेन्हास ने प्रायोजकों के साथ एक करार किया कि अगर सचिन तेंदुलकर फाइनल में शतक लगाते हैं और भारत जीतता है, तो खिलाड़ी को एक कार मिलेगी। सचिन तेंदुलकर ने शतक जड़ा और भारत को मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत दिलाई। मस्कारेन्हास बहुत खुश हुए और सचिन तेंदुलकर को उनकी कार और प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। इस सफलता को देखते हुए पहला करार समाप्त होने के बाद मस्कारेन्हास ने तेंदुलकर के साथ 2001 में 100 करोड़ रुपये का करार किया। हालांकि, 2002 में नागपुर में एक सड़क दुर्घटना में मस्कारेन्हास का निधन हो गया। सचिन तेंदुलकर ने आत्मकथा 'प्लेइंग इट माय वे' में भी मस्कारेन्हास का जिक्र किया है। उन्होंने मार्क को खास इंसान बताया और कहा कि मैनेजर से बढ़कर दोस्त की तरह थे। सचिन तेंदुलकर ने बताया है कि मार्क ने कई बड़ी कंपनियों को साथ लाकर क्रिकेट में प्लेयर एंडोर्समेंट का तरीका बदला, लेकिन उन्होंने उन पर कुछ थोपा नहीं।

'क्यों न सभी गतिविधियों पर रोक लगाई जाए?'

आईपीएल के बीच दिल्ली–लखनऊ समेत 6 मैदानों को एनजीटी का नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के बीच राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण ने छह क्रिकेट स्टेडियम और उनके संघों को नोटिस जारी किया है। इनमें दिल्ली का अरुण जेटली स्टेडियम और लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम शामिल है। एनजीटी ने पूछा है कि क्रिकेट ग्राउंड के रखरखाव के लिए पानी के इस्तेमाल पर उसके निर्देशों का पालन न करने पर उनकी गतिविधियां क्यों न रोक दी जाएं?

अध्यक्ष जस्टिस प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य ए सेंथिल वेल और अफरोज अहमद की एनजीटी की प्रमुख पीठ ने 16 अप्रैल को यह आदेश दिया। यह सुनवाई 2021 के आदेश का पालन हो रहा है या नहीं को लेकर हो रही थी। प्राधिकरण ने क्रिकेट ग्राउंड के रखरखाव के लिए क्रिकेट संघों को भूजल की जगह बारिश के पानी का इस्तेमाल का निर्देश दिया था।

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम, जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम, रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम, नवी मुंबई के डॉ. डीवाई पाटिल स्टेडियम, लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम, हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम और कटक के बाराबती स्टेडियम को नोटिस जारी हुआ है। एनजीटी ने अपने आदेश में कहा, 'आवेदक के वकील का कहना है कि इन छह स्टेडियम में सभी गतिविधियां पूरी तरह से रोक दी जानी चाहिए। उन्हें वहां कोई भी खेल आयोजन की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। ऐसे में इन छह स्टेडियम को नोटिस जारी किया जाता है कि वे बताएं कि प्राधिकरण के आदेश का पालन न करने और जरूरी जानकारी जमा न करने के आधार पर उनकी सभी गतिविधियां क्यों न रोक दी जाएं।'

अरुण जेटली स्टेडियम दिल्ली कैपिटल्स का घरेलू मैदान है। इकाना स्टेडियम लखनऊ सुपर जायंट्स का घरेलू मैदान है, राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम सनराइजर्स हैदराबाद का घरेलू मैदान है। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स घरेलू मैच खेलती है। केंद्रीय भूजल प्राधिकरण ने 15 अप्रैल को महीने और साल में मैदानों की सिंचाई के लिए इस्तेमाल होने वाले पानी, उपचारित पानी का हिस्सा और मिले ताजे पानी के इस्तेमाल से जुड़ी जानकारी दी थी। पांच मैदान और संघों सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन, हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन, ग्रीन पार्क स्टेडियम, मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन और महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन ने जवाब दिया था।

बांग्लादेश ने दिया पाकिस्तान को झटका

पीएसएल में नहीं खेलेंगे मुस्तफिजुर और नाहिद राणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को झटका दिया है। बीसीबी ने पाकिस्तान सुपर लीग 2026 में खेलने के लिए तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान और नाहिद राणा को अनुमति नहीं दी है। जनवरी में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के कहने पर इंडियन प्रीमियर लीग 2026 से कोलकाता नाइट राइडर्स ने मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज कर दिया था। इसके विरोध में टी20 वर्ल्ड कप 2026 से बांग्लादेश बाहर हो गया।

पाकिस्तान ने बांग्लादेश के समर्थन में भारत के खिलाफ मैच न खेलने की धमकी दी थी। इससे पहले उसने खिलाड़ियों की नीलामी से पहले ही ऐलान किया था कि मुस्तफिजुर रहमान पीएसएल में खेलेंगे। फरवरी में पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मैच खेला। अब में मुस्तफिजुर पीसीएल में खेलते नहीं दिखेंगे। मुस्तफिजुर घुटने की चोट से जूझ रहे हैं। बीसीबी ने मीडिया विज्ञप्ति में कहा कि टीम के मेडिकल स्टाफ ने मुस्तफिजुर की चोट की जांच की और तुरंत स्कैन कराने की सलाह दी। इसके बाद उनकी रिहैब शुरू होगी। इसके कारण मुस्तफिजुर पीएसएल 2026 के बाकी मैचों में हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

एक अलग फैसले में बीसीबी ने यह भी बताया कि तेज गेंदबाज नाहिद राणा को पीएसएल के लिए रिलीज नहीं किया जाएगा। वह आने वाले टेस्ट मैचों की तैयारी करेंगे। बांग्लादेश को मई में पाकिस्तान से टेस्ट सीरीज खेलनी है। बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड को तीसरे वनडे में 55 रनों से हराया और 2-1 से सीरीज अपने नाम कर ली। नाहिद राणा प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे। बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 27 अप्रैल से चटगांव में शुरू होने वाले शुरुआती दो टी20 मैचों के लिए नए चेहरों वाली टीम चुनी है। मुस्तफिजुर, तस्कीन अहमद और नाहिद राणा जैसे तेज गेंदबाजों को आराम दिया गया। पेस-बॉलिंग ऑलराउंडर अब्दुल गफ्फार सकलैन और डेथ ओवर्स के स्पेशलिस्ट रिपन मोंडल को मौका मिला है।

सचिन तेंदुलकर से ब्रेट ली ने माफी मांगी, 18 साल पुरानी घटना से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर शुक्रवार (24 अप्रैल) को 53 साल के हो गए। दुनिया के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले इस खिलाड़ी को ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए 18 साल पुरानी घटना के लिए माफी मांगी। ब्रेट ली ने इंस्टाग्राम पर 2008 में कॉमनवेल्थ सीरीज के बेस्ट ऑफ थ्री फाइनल्स के पहले मैच की फोटो शेयर की। यह मैच सिडनी में खेला गया था।

तेंदुलकर ने इस मैच में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतक जड़ा था और भारत को जीत दिलाई थी। तेंदुलकर जब 98 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे तब ब्रेट ली ने उन्हें बीमर फेंका था। गेंद तेंदुलकर के बाएं कंधे पर लगी थी। ली ने इस खतरनाक गेंद के बाद तेंदुलकर से हालचाल लिया था। दोनों ने हाथ मिलाया था। इससे विवाद पैदा होने से बच गया था। अब ब्रेट ली ने 2026 में इंस्टाग्राम पोस्ट करके सचिन तेंदुलकर जन्मदिन की बधाई दी और इस बीमर के लिए माफी मांगी।

ब्रेट ली ने अपने पोस्ट में लिखा, 'क्रिकेटर होते हैं, महान खिलाड़ी होते हैं... और फिर सचिन तेंदुलकर हैं। उस इंसान को जन्मदिन की बधाई जिसने सिर्फ क्रिकेट नहीं खेला, बल्कि उसे जिया भी। उनकी कला दर्शनीय थी। एक दिग्गज, एक सज्जन और एक सच्चा दोस्त। आज आपका जन्मदिन है तो मैं आपको उपहार में स्लॉट में हाफ वॉली देता हूं। सचिन आगे बढ़ो। आपको पता है कि इसके साथ क्या करना है। आपको हमेशा पता था। जन्मदिन मुबारक हो, लिटिल मास्टर।' ब्रेट ली ने बीमर के लिए माफी मांगते हुए कहा, 'दोस्त इसके लिए माफी चाहता हूं।' ब्रेट ली ने इस इंस्टाग्राम पोस्ट पर सचिन तेंदुलकर को उनकी गेंद पर स्ट्रेट ड्राइव लगाते हुए वीडियो शेयर की है। एक फोटो बीमर के बाद दोनों के हाथ मिलाने की है। एक अन्य फोटो 2004 सिडनी टेस्ट की है, जिसमें तेंदुलकर ने 241 रनों की पारी खेली थी। इस फोटो में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज तेंदुलकर बधाई देता दिख रहा है।

चेन्नई की सबसे बड़ी जीत, मुंबई की सबसे शर्मनाक हार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स ने मुंबई इंडियंस को 103 रनों से हरा दिया। यह रन की लिहाज से चेन्नई सुपर किंग्स की सबसे बड़ी जीत थी। उसने पहली बार 100 से ज्यादा रनों से जीत हासिल की। मुंबई इंडियंस की सबसे बड़ी हार थी। वह पहली बार 100 से ज्यादा रनों से हारी।

आईपीएल में 14 बार जीत-हार का अंतर 100 रन से से ज्यादा का रहा है। सबसे बड़ी जीत मुंबई इंडियंस के नाम है। उसने 146 रनों से 2017 में दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स) को हराया था। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) लिस्ट में दूसरे नंबर पर है। उसने 2016 में गुजरात लायंस को 144 रनों से हराया था। आरसीबी ने चार बार 100 से ज्यादा रनों से जीत हासिल की है। मुंबई इंडियंस ने तीन, कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद ने 2-2 बार जीत हासिल की है। आईपीएल 2026 के 33वें मुकाबले में सीएसके ने मुंबई को 103 रन से हराया और अंकतालिका में जबरदस्त छलांग लगाई जबकि मुंबई और नीचे आ गई। वहीं संजू सैमसन ने शतकीय पारी के दम पर आरेंज कैप की रेस में वैभव और गिल को पीछे छोड़ दिया जबकि अंशुल कंबोज ने फिर से पर्पल कैप पर कब्जा कर लिया।

चीन के साथ नजदीकी कनाडा के लिए जोखिम भरा कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा की ओर से चीन के साथ व्यापारिक संबंध मजबूत करने की कोशिश उसकी आर्थिक सुरक्षा के लिए जोखिम बन सकती है और अमेरिका के साथ उसके रिश्तों में भी तनाव पैदा कर सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, कनाडा के पूर्व राजनयिक माइकल कोवरिग ने चेतावनी दी कि चीन को लेकर ओटावा (कनाडा की राजधानी) की बदलती रणनीति एक खतरनाक कदम है, जिसे वॉशिंगटन अच्छी नजर से नहीं देख सकता और इससे उसके सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार अमेरिका के साथ चल रही बातचीत भी प्रभावित हो सकती है। असल समस्या यह है कि अमेरिका के साथ हमारी ज्यादातर दिक्कतों का समाधान चीन नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर कनाडा चीन के साथ ज्यादा करीब जाता है, तो अमेरिका की नजर में वह अविश्वसनीय सहयोगी लग सकता है। कोवरिग ने बताया कि कनाडा के करीब 75 प्रतिशत निर्यात अमेरिका को जाते हैं, जबकि चीन का हिस्सा सिर्फ लगभग 4 प्रतिशत है।

अर्जुन तेंदुलकर ने पापा सचिन को बर्थडे पर किया विश पर नहीं खाया केक, बताया उसका कारण

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 का कारंवां आगे बढ़ता जा रहा है और इसमें अर्जुन तेंदुलकर लखनऊ सुपर जायंट्स का हिस्सा हैं। हालांकि अर्जुन को लखनऊ की तरफ से एक भी मैच में खेलने का मौका अब तक नहीं मिला है, लेकिन इन सारी बातों के बीच उन्होंने पापा सचिन तेंदुलकर को उनके जन्मदिन पर खास अंदाज में विश किया। अर्जुन का ये वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें उन्होंने पापा को विश तो किया, लेकिन केक नहीं खाया। मजे की बात ये रही कि उन्होंने केक नहीं खाने का कारण भी बताया।

सचिन तेंदुलकर 24 अप्रैल को 53 साल के हो गए और उनके जन्मदिन के मौके पर लखनऊ सुपर जायंट्स के ऑलराउंडर अर्जुन तेंदुलकर ने अपनी फ्रेंचाइजी द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो मैसेज में अपने पिता सचिन तेंदुलकर को जन्मदिन की बधाई दी। वायरल वीडियो में अर्जुन ने अपने पिता को जन्मदिन की बधाई दी और उम्मीद जताई कि वे दोनों जल्द ही मिल पाएंगे। वीडियो में अर्जुन को एक प्लेट नीचे रखते हुए भी देखा गया जिसमें चीजकेक के टुकड़े रखे थे। अर्जुन ने कहा कि वह इस स्वादिष्ट चीज का मजा नहीं लेंगे क्योंकि वह अक्सर चीनी का सेवन नहीं करते हैं।

आपको बता दें कि नेट बॉलर के तौर पर कई साल बिताने के बाद अर्जुन तेंदुलकर 2021 में आधिकारिक तौर पर मुंबई इंडियंस एक खिलाड़ी के तौर पर शामिल हुए। उसी साल चोट लगने की वजह से वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। अर्जुन साल 2021 से ही मुंबई इंडियंस के साथ थे लेकिन उन्होंने अपना आईपीएल डेब्यू 2023 में ही किया। पांच सीजन (2021-2025) के दौरान उन्होंने पंच बार की चैंपियन टीम के लिए सिर्फ पांच मैच खेले (2023 में 4, 2024 में 1)। इन पांच मैचों में उन्होंने सिर्फ 3 विकेट लिए और जिस एक पारी में उन्हें बल्लेबाजी का मौका मिला, उसमें उन्होंने 13 रन बनाए। पंजाब किंग्स के खिलाफ एक ओवर में उन्होंने 31 रन भी दिए।

आईपीएल में सचिन तेंदुलकर का सक्सेस रेट रोहित शर्मा से भी बेहतर

6 साल में 55 मैचों में संभाली थी मुंबई इंडियंस की कमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। जब हम सचिन तेंदुलकर की बात करते हैं तो ऐसे क्रिकेटर का चेहरा सामने आता है जिन्होंने अपने क्रिकेट करियर में वो सबकुछ हासिल किया जिसकी कामना दुनिया का हर क्रिकेटर करता होगा। सचिन ने भारतीय क्रिकेट को अपने खेल के जरिए एक नई ऊंचाई तक पहुंचाया और अपने खेल के जरिए लाखों-करोड़ों युवाओं को प्रेरित किया। उन्होंने इस खेल में वो उपलब्धियां हासिल की जो बहुतों के लिए सिर्फ सपना ही होगा।

सचिन तेंदुलकर का क्रिकेट करियर काफी लंबा था और उन्होंने इस दौरान भारत के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट व वनडे क्रिकेट ही खेले। उन्होंने अपने लंबे क्रिकेट करियर में भारत के लिए एकमात्र टी20 इंटरनेशनल मैच ही खेला, लेकिन इंडियन प्रीमियर लीग की जब साल 2008 में शुरुआत हुई उसमें उन्होंने मुंबई इंडियंस का प्रतिनिधित्व किया और इस टीम के लिए साल 2008 से लेकर 2013 तक यानी कुल 6 साल खेला। साल 2013 में जब मुंबई ने पहला आईपीएल खिताब जीता वो सचिन का आखिरी सीजन था।

सचिन तेंदुलकर मुंबई के साथ साल 2008 में जुड़े थे और साल 2013 में उन्होंने संन्यास ले लिया था। इन 6 साल में उन्होंने इस टीम के लिए कुल 55 मैचों में कप्तानी की और इनमें से उन्हें 32 मैचों में जीत मिली जबकि 23 मैचों में उन्हें हार मिली थी। सचिन तेंदुलकर की कप्तानी में मुंबई की टीम ने साल 2010 में फाइनल में जगह बनाई थी और उप-विजेता रही थी। सचिन का जीत प्रतिशत बतौर कप्तान 58.18 का था जो रोहित शर्मा (55.82) से भी ज्यादा है। जीत प्रतिशत के लिहाज से सचिन मुंबई के सबसे सफल कप्तान हैं।

सचिन तेंदुलकर का आईपीएल करियर ज्यादा लंबा तो नहीं रहा, लेकिन उन्होंने जितने साल इस लीग में खेला अपनी धाक जमाई। तेंदुलकर ने 6 सीजन में इस लीग में खेला और इस दौरान उन्होंने कुल 78 मैच खेले जिसमें उन्होंने 2334 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 119.82 का रहा जबकि उनका औसत 34.84 रहा। सचिन ने इन मैचों में एक शतक और 13 अर्धशतक भी जड़े। उनके बल्ले से 295 चौके और 29 छक्के निकले जबकि उन्होंने 23 कैच लिए और 11 बार नॉट आउट रहे।

सचिन तेंदुलकर आईपीएल में ऑरेंज कैप जीतने वाले पहले भारतीय थे। उन्होंने ये कमाल साल 2010 में किया था और इस सीजन में उन्होंने 15 मैचों में 47.54 की औसत और 132.61 की स्ट्राइक रेट के साथ कुल 618 रन बनाए थे। इस सीजन में उन्होंने कुल 5 अर्धशतक लगाए थे और उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 89 रन रहा था। इस सीजन में उन्होंने 466 गेंदों का सामना करते हुए ये रन बनाए थे जबकि 86 चौके और 3 छक्के भी लगाए थे।

मुंबई के लिए पहला शतक आईपीएल में लगाने वाले बैटर सनत जयसूर्या थ जिन्होंने साल 2008 में ये कमाल किया था। वहीं सचिन तेंदुलकर ने साल 2011 में मुंबई के लिए आईपीएल में शतक लगाया था और वो ऐसा करने वाले ओवरऑल दूसरे खिलाड़ी बने थे। हालांकि मुंबई के लिए आईपीएल में शतक लगाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर ही थे। सचिन ने साल 2011 में कोच्चि टस्कर्स केरल के खिलाफ ये कमाल किया था। सचिन ने उस मुकाबले में नाबाद 100 रन की पारी खेली थी। सचिन तेंदुलकर को मुंबई इंडियंस ने बतौर आइकल प्लेयर अपनी टीम में शामिल किया था और उन्हें नीलामी में शामिल नहं किया गया था। सचिन तेंदुलकर को साल 2008 में मुंबई इंडियंस ने 11,21,250 डॉलर (लगभग 4.48 करोड़ रुपये) में साइन किया था।

संपादकीय

मतदान का कीर्तिमान

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में हुआ भारी मतदान सराहनीय है। यह लोगों की जागरूकता और चुनाव आयोग के प्रयासों का फल है कि इतनी बड़ी संख्या में लोग मतदान के लिए उमड़ आए। दोनों राज्यों में गुरुवार दोपहर एक बजे तक ही पता चल गया कि मौसम या गर्मी की तगड़ी मार के बावजूद लोग मतदान के लिए निकलेंगे। दोपहर एक बजे तक पश्चिम बंगाल में 62.18 प्रतिशत और तमिलनाडु में 56 प्रतिशत मतदान दर्ज हो चुका था। चुनाव आयोग को जरूर श्रेय देना चाहिए। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल के पहले चरण में जो हिंसा देखने को मिली है, वह इशारा करती है कि अगर सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता नहीं होती, तो हिंसा का पैमाना बहुत बढ़ जाता। खासकर मुर्शिदाबाद से जैसी हिंसा की खबरें आई हैं, उससे चिंता बढ़ती है। कार्यकर्ताओं के बीच जगह-जगह झड़पें देखी गई हैं। बम फेंके जाने से लेकर पीटने और दौड़ाने तक के कृत्य कतई लोकतांत्रिक नहीं कहे जा सकते। टीएमसी और हुमायूं कबीर की एजेयूपी के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प खासतौर पर निंदनीय है। मुर्शिदाबाद जिले के नौदा में हुए विस्फोट को हल्के में नहीं लेना चाहिए। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई से ही नजीर स्थापित होगी।

मुर्शिदाबाद के अलावा कुमारगंज में भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु सरकार पर कथित हमले से भी माहौल तनावपूर्ण हो गया था। भाजपा ने इस हमले के लिए सत्तारूढ़ टीएमसी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराया है। पश्चिम बंगाल के लिए यह सोचने की बात है कि आखिर वहां ऐसी राजनीतिक हिंसा क्यों होती है? वहां राजनीतिक कार्यकर्ताओं में लोकतांत्रिक संस्कार की इतनी कमी क्यों है? पश्चिम बंगाल आज भी एक ऐसा राज्य है, जहां बड़े पैमाने पर सुरक्षा इंतजाम करने पड़ते हैं। बिहार, उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में मतदान लगातार शांतिपूर्ण होता जा रहा है, पर बंगाल में हुई हिंसा साफ संकेत है कि कई राजनीतिक कार्यकर्ता हिंसा या झड़प के लिए पहले से तैयार थे। अब वहां अगले चरण के मतदान के दिन विशेष रूप से सचेत रहने की जरूरत है। वहां तृणमूल कांग्रेस और भाजपा में मुख्य मुकाबला है। जाहिर है, तृणमूल सत्ता को अपने पास रखना चाहती है, तो भाजपा उस पर कब्जा करने को आतुर है। एक आशंका यह भी है कि मतदान और मतगणना के बाद भी वहां हिंसा होगी। सुरक्षा बलों को इन आशंकाओं के मद्देनजर मुस्तैद रहना होगा। यह पुरानी धारणा है कि पश्चिम बंगाल में जो भी सत्ता में रहता है, वह अराजक तत्वों को संरक्षण देता है। पहले ऐसे तत्व वाम दलों के साथ बताए जाते थे। आखिर वहां की हिंसक राजनीति का समाधान क्या है? सभी प्रमुख पार्टियों को सोचना चाहिए कि बंगाल में चुनावी हिंसा का पटाक्षेप कैसे किया जाए?

बहरहाल, पश्चिम बंगाल जैसे राज्य को तमिलनाडु से सीखना चाहिए। जहां एक ही चरण में शांतिपूर्ण मतदान संपन्न हुआ है। वहां सुरक्षा बलों को कोई खास मशक्कत नहीं करनी पड़ी है। वहां पुलिस को लाठी उठाने की जरूरत नहीं पड़ी है। वहां न कहीं बम फोड़कर दहशत फैलाने की कोशिश हुई है। यह कहना ही चाहिए कि तमिलनाडु की राजनीति अपेक्षाकृत सभ्य है। यहां सत्तारूढ़ द्रमुक और विपक्षी अन्नाद्रमुक के बीच मुख्य मुकाबला है। वहां कांग्रेस अगर फिर द्रमुक के साथ है, तो भाजपा अन्नाद्रमुक के साथ।

भारत नरक नहीं, स्वर्ग का अहसास है, मानवता का वैभव, सभ्यता का प्रकाश है!

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के लिए अब तक कई बार ऐसे तीखे या अपमानजनक बयान दिए हैं जिनके पश्चात उन्होंने या तो रुख बदल दिया या सॉफ्ट स्टेटमेंट जारी करके अपनी बात पर 'यू टर्न' लेकर साफ साफ मुकर जैसा अंदाज़ दिखाया है। हाल ही में फिर उन्होंने 'नरक जैसा देश' वाला बयान दिया और फिर यू टर्न ले लिया। उनका रवैया दुनिया का थानेदार समझे जाने वाले सर्वाधिक विकसित और धनी देश अमेरिका के शालीन, सभ्य और सुसंस्कृत होने पर सवालिया निशान लगाने को काफी है।

खासकर भारत के खिलाफ जिसका अंतर्राष्ट्रीय आचरण सदैव मर्यादित रहता आया है। भारत पैसे वालों की कद्र नहीं करता, क्योंकि यह तो देशी-विदेशी अपराधियों और वेश्याओं के पास भी खूब होता है, लेकिन सामाजिक प्रतिष्ठा बिल्कुल नहीं होती। ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका इसी फूहड़ता से ग्रसित है, अभिशप्त है और अंतर्राष्ट्रीय गुंडई में इतना आगे निकल चुका है कि उसके मित्र देश भी उसके साथ खड़े होने में परहेज कर रहे हैं और उसे यूज एंड थ्रो कर रहे हैं। ईरान-अमेरिका युद्ध ने अमेरिका की पूरी मिट्टी पलीद कर दी है और उसके डीप स्टेट की जो भद्द पिटी है, वैसा कोई उदाहरण अन्यत्र नहीं मिलता। शायद इसी खीझ का नाता ट्रंप के नारकीय विवाद से है। आइए, जानते हैं कि सबसे हाल का विवाद 24 घंटे में ही कैसे दोनों ध्रुवों पर घूम गया, जब भारतीय विदेश मंत्रालय ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर एक रेडियो होस्ट माइकल सैवेज के पॉडकास्ट का हिस्सा शेयर किया, जिसमें भारत और चीन जैसे देशों को 'नरक' (hellholes / hell on earth) जैसी जगह बताया गया। इस पोस्ट में भारतीयों के बारे में नस्लवादी टिप्पणी भी थी कि भारत-चीन से लोग अमेरिका आते हैं बस यहीं बच्चे पैदा करने के लिए ताकि उन्हें तुरंत अमेरिकी नागरिकता मिल जाए, जो भारतीय डिप्लोमैसी और जनता के लिए बेहद अपमानजनक माना गया।

फिर अगले ही नए बयान में ट्रंप ने रुख पूरी तरह बदल दिया, क्योंकि समझ में आ गया कि ये मोदी का भारत है, चुपचाप उल्टा लटका देगा। कोई काम नहीं आएगा, जब कूटनीतिक शतरंज की एक चाल चल देगा तो। लिहाजा, उन्होंने जनता के बीच और अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता के ज़रिए कहा कि भारत 'एक महान देश' है, 'मजबूत और महान राष्ट्र' है और भारत के शीर्ष नेता (प्रधानमंत्री मोदी) के साथ उनकी 'निजी दोस्ती' है। काबिलेगौर है कि इस तरह 24 घंटे के अंदर वही शख्स जो भारत को 'hard to deal with' या नरक जैसी जगह कह चुके थे, उसी देश की तारीफ़ में बोलने लगे, जिसे राजनीतिक यू टर्न और दबाव में बदला गया माना जा रहा है।

अब इनकी टैरिफ और 'टैरिफ किंग' वाली पुरानी टिप्पणी को स्मरण करा देते हैं। इसके अलावा ट्रंप ने व्यापार के मसले पर भी दोहरा अपना बयान दिया है। अपने कई इंटरव्यू और भाषणों में उन्होंने भारत को 'टैरिफ किंग' (tariff king) कहा है, और यह कहा है कि भारत दुनिया में सबसे ज्यादा शुल्क लगाने वाले देशों में से एक है, जिससे अमेरिकी उत्पादों को नुकसान होता है। इसी क्रम में उन्होंने भारत पर जवाबी टैरिफ लगाने की धमकी भी दी, लेकिन एक ही हवन में ही यह भी कहा कि भारत के साथ 'बहुत अच्छे संबंध' हैं, यानी एक ही बयान में औपचारिक तारीफ़ और व्यावहारिक धमकी दोनों। निष्कर्षन के तौर पर पैटर्न यह दिखता है कि ट्रंप ने भारत के लिए एक बार नफरत भरी, नस्लवादी, 'नरक जैसा देश' वाली भाषा इस्तेमाल की, और फिर तुरंत मिटाने के लिए भारत को 'महान देश' और प्रधानमंत्री मोदी को 'अपना दोस्त' कहकर मुकर जैसा कर दिया।

वहीं, व्यापार के मोर्चे पर भारत को 'टैरिफ किंग' और हानिकारक बताने के साथ साथ राजनयिक रूप से 'अच्छे रिश्ते' बताकर दोहरा रुख अपनाया है। इसी प्रकार ट्रंप भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड इकॉनमी भी करार दे चुके हैं टैरिफ वार की खींझ में। उनके इस रवैये से भारत का अविश्वास अमेरिका और उनके प्रति बढ़ा है। स्पष्ट है कि अमेरिका के सफल बिजनेसमैन और शातिर राजनेता से राष्ट्रपति बने डॉनल्ड ट्रंफ अपने सिरफिरे विचारों के लिए जाने जाते हैं, लेकिन जब से वो डीप स्टेट के हाथों का खिलौना बने, अपने अनाप-शनाप और अदूरदर्शिता भरे फैसलों से अंतरराष्ट्रीय जगत में अमेरिका की थू-थू करवा रखी है। पहले ट्रेड वार और अब सैन्य वार के बाद उसकी जो अंतरराष्ट्रीय फजीहत हुई है, उसके जैसे सो कॉल्ड देश ताकतवर की कलई खुल गई। यूक्रेन से शुरू हुई कूटनीतिक दोगलागिरी ईरान पहुंचते-पहुंचते न केवल चारो खाने चित्त हो गई, बल्कि आज अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंफ की बयानबाजी अब समझदार लोगों के लिए कोई मायने नहीं रखी। कभी वह भारत को 'डेड इकोनॉमी' बताते हैं, तो कभी नरक जैसा देश! शायद इसलिए कि भारतीय नेतृत्व उनके इशारों पर नहीं थिरक रहा है, जिससे रूस-चीन भी उसे भाव देना बंद कर चुके हैं।

दुनिया का थानेदार अमेरिका को बेनेजुएला के राष्ट्रपति को गिरफ्तार करने के बाद जब कड़ी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया नहीं मिली तो उसने यह समझ लिया कि रूस-चीन भी उससे डरे हुए हैं। इसी उत्साह में अमेरिका ने इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर धावा बोल दिया और महज दो माह के भीतर ही परेशान हो उठा। इससे ईरान-रूस-चीन की संयुक्त ताकत का उसको एहसास हुआ। वहीं इसी मुद्दे पर नाटो में फूट भी पड़ गई और यूरोप तटस्थ बन गया। इसी बौखलाहट में ट्रंफ भारत और चीन को नरक जैसा बताने लगे।

बताते चलें कि भारत और चीन जैसी प्राचीन सभ्यताओं को 'नरक' बताने का संदर्भ हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक विवादित सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने जन्मसिद्ध नागरिकता (birthright citizenship) के मुद्दे पर भारत-चीन को 'hellhole' कहा। यह बयान ट्रंप की इमीग्रेशन पॉलिसी से प्रेरित है, जहां वे आरोप लगाते हैं कि इन देशों से प्रवासी अमेरिका की सुविधाओं का दुरुपयोग करते हैं। जबकि ऐतिहासिक वास्तविकता कुछ और है, जो कई मायने में गौरवशाली भी है। वास्त्व में, भारत और चीन दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यताएं हैं, जिन्होंने ज्ञान, संस्कृति और व्यापार में दुनिया को प्रभावित किया—चीन भारत को कभी 'स्वर्ग से बढ़कर' मानता था। जबकि अमेरिका की कोई प्राचीन सभ्यता नहीं है; यहां माया-इंका जैसी मूल निवासी सभ्यताएं 3000 ईसा पूर्व की हैं, लेकिन आधुनिक अमेरिका 15वीं शताब्दी के बाद यूरोपीय उपनिवेशवाद से उभरा है। अब तो यूरोप भी उससे दूर होते जा रहा है।

स्वाभाविक सवाल है कि आधुनिक अमेरिका 'स्वर्ग' क्यों : तो जवाब होगा कि ट्रंप जैसे अधकपाली नेता अमेरिका को 'स्वर्ग' के रूप में पेश करते हैं क्योंकि यह उच्च जीवन स्तर, आर्थिक अवसरों और कानून के शासन के लिए जाना जाता है, लेकिन यह धारणा चुनिंदा है—अमेरिका में भी गरीबी, असमानता और अपराध मौजूद हैं। भारत-चीन की आबादी और विकास चुनौतियां उन्हें नजरअंदाज कर 'नरक' कहना राजनीतिक प्रचार है, जबकि ये देश तेजी से उभर रही महाशक्तियां हैं। ट्रंफ को यह समझ लेना चाहिए कि भारत नरक नहीं दुनिया का स्वर्ग है, सत्योंमुख मानवता का वैभव है! अहिंसा का पुजारी है। यहां शाकाहारी मिलते हैं, लेकिन ईसाईयत और इस्लाम की गुलामी के पश्चात यहां मांसाहारी बढ़े और निरीह पशु-पक्षियों की शामत आ गई। पहले धर्म आधारित युद्ध होते थे, लेकिन षड्यंत्र उतना नहीं जितनी कि पिछले 1000-14000 वर्षों में दिखी। कड़वा सच है कि प्राचीन भारत और चीन दुनिया की सबसे समृद्ध सभ्यताओं में से थे, जिनकी समृद्धि व्यापार, संस्कृति, विज्ञान और वास्तुकला के प्रमाणों से सिद्ध होती है।

सांस्कृतिक आदान-प्रदान के तहत भारत से बौद्ध धर्म चीन पहुंचा, जहां फाह्यान (402 ईस्वी) और ह्वेनसांग जैसे चीनी यात्रियों ने नालंदा-तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालयों में अध्ययन किया और ग्रंथ अनुवादित किए। चीन में भारतीय प्रभाव वाले स्थल जैसे युंगांग-लोंगमेन गुफाएं, बिग गूस पगोडा और शाओलिन मंदिर इसकी गवाही देते हैं। वहीं, व्यापारिक समृद्धि के नजरिए से रेशम मार्ग (दक्षिणी समुद्री रूट सहित) से भारत-चीन के बीच रेशम, मसाले, मोती, लोहे के बर्तन और हस्तशिल्प का आदान-प्रदान होता था; रामायण-महाभारत में भी चीन का उल्लेख सोने के भंडार के रूप में है। चोल साम्राज्य ने समुद्री मार्ग सुरक्षित कर व्यापार बढ़ाया। जहां तक वैज्ञानिक योगदान की बात है तो आर्यभट्ट की ज्या तालिका का 8वीं शताब्दी में चीनी अनुवाद हुआ; पाणिनि ने चीनी रेशम को 'चीनांशुक' कहा। खोतान जैसे क्षेत्रों में भारतीय शासन, संस्कृत भाषा और विष्णु पूजा के पुरातात्विक प्रमाण मिले।

प्राचीन भारत और चीन की समृद्धि मिस्र व ग्रीस से व्यापक और निरंतर थी, जहां पूर्वी सभ्यताओं ने आध्यात्मिक-वैज्ञानिक योगदान दिए जबकि पश्चिमी ने स्थापत्य-दार्शनिक। कृषि व अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में भारत-चीन की उपजाऊ गंगा-ह्वांगहो घाटियां मिस्र के नील नदी की तरह ही अतिरिक्त उत्पादन देती रहीं, लेकिन सिंधु घाटी की नियोजित शहर व्यवस्था और चीन के रेशम व्यापार ने वैश्विक नेटवर्क बनाया। ग्रीस में मिनोअन-माइसीन व्यापार सीमित था, मिस्र निर्यात-आधारित। सच कहा जाए तो भारत नरक नहीं, स्वर्ग है—यह मानवता का वैभव है, विविधता में एकता का अद्भुत उदाहरण है, जहाँ संस्कृति, करुणा और सहअस्तित्व की धारा अनवरत बहती है। काव्य शैली में लिखूं तो 'भारत नरक नहीं, स्वर्ग का अहसास है, मानवता का वैभव, सभ्यता का प्रकाश है।' इस पंक्ति में एक गहरी सकारात्मकता और सांस्कृतिक आत्मविश्वास झलकता है।

किस देवता के नाम पर बना है हॉर्मुज? हवा के 'जिन्न' से बचने के लिए महिलाएं मूंछों जैसा पहनती नकाब

स्टेट ऑफ होर्मुज वो समुद्री इलाका जिसकी वजह से दुनिया आज तीसरे विश्व युद्ध के मुहाने पर खड़ी है। सबसे पहले बात करते हैं स्टेट ऑफ हॉर्मोस की चौहद्दी की। यह दुनिया के सबसे अहम समुद्री रास्तों में से एक है। जहां से वैश्विक तेल सप्लाई का बड़ा हिस्सा गुजरता है। यह स्टेट ईरान और ओमान के बीच मौजूद है। आज के समय में इसकी अहमियत इतनी ज्यादा है कि इसे दुनिया की ऑयल लाइफ लाइन कहा जाता है। अब बात करते हैं प्राचीन काल की। प्राचीन काल में होर्मुज फारस की खाड़ी तक पहुंच को कंट्रोल करने वाला एक अहम समुद्री व्यापार केंद्र था। यह भारत, चीन और मिडिल ईस्ट के बीच माल के आदानप्रदान के बीच एक संपर्क सूत्र का काम करता था। मूल रूप से यह 10वीं शताब्दी में मीनाब के पास मौजूद एक मुख्य भूमि बंदरगाह था। लेकिन आक्रमणकारियों से बचने के लिए लगभग 1300 में इसे रणनीतिक जारून द्वीप यानी होर्मुज द्वीप में बदल दिया गया और यह एक मशहूर व्यापारिक केंद्र बन गया।

माना जाता है कि होर्मुज नाम की उत्पत्ति फारसी देवता अहूरा माजदा और स्थानीय बोली के व्याख्यांश खुरमोग यानी खजूर वाली जमीन से लिया गया है जो इसकी फारसी जड़ों को दर्शाता है। अहूरा मजदा पारसी धर्म के सर्वोच्च देवता, सृष्टिकर्ता और ज्ञान के प्रतीक हैं। जिन्हें बुद्धिमान देवता कहा जाता है। ऐतिहासिक रूप से अहूरा मजदा को वैदिक देवता वरुण से जोड़ा जाता है। जो ब्रह्मांडीय नियम का पालन करता है। अवस्था भाषा में अहूरा का अर्थ होता है स्वामी। जो संस्कृत के शब्द असुर के समान है। अब आते हैं मध्यकाल में। फारस की खाड़ी किंगडम ऑफ होर्मुज नाम का एक शक्तिशाली व्यापारिक राज्य हुआ करता था। यह राज्य 13वीं से 17वीं सदी के बीच बेहद समृद्ध था और एशिया, अफ्रीका और यूरोप के बीच व्यापार का एक बड़ा केंद्र बन चुका था। यहीं से शुरू होता है भारत और होर्मुज का कनेक्शन। उस समय भारत के पश्चिमी तट खासकर गुजरात, कोंकण और मालाबार क्षेत्र दुनिया के बड़े व्यापारिक केंद्र थे। भारतीय व्यापारी मसाले, रेशम, कपड़े और कीमती पत्थर लेकर हॉर्मू जाते थे। बदले में वहां से घोड़े, मोती और दूसरे कीमती सामान भारत लाया करते थे।

होर्मुज में रहने वाले लोगों की जिंदगी और उनके जीने का अनूठा अंदाज कौतूहल पैदा करता है। खनिजों से भरपूर यहां की रेत लाल, गुलाबी, नारंगी जैसे चमकते हैं। जमीन जितनी विविधरंगी और मनमोहक है, उतने ही आकर्षक लोग, संस्कृति और पारंपरिक विश्वास-आस्था है। ईरानी फोटोग्राफर होदा अफशार ने यहां की संस्कृति और आस्था-मान्यताओं को बखूबी बताया है। कुछ को अंधविश्वास मान सकते हैं, लेकिन यही उनका जीवन है। यह हवा की बुरी आत्माओं से बचने का जतन है। दरअसल, मान्यता है कि कुछ हवाएं शैतानी या जिन्न वाली होती हैं, जबकि कुछ भली। 'जार' नाम की हवा के बारे में कहा जाता है कि वह शरीर में घुस सकती है। बेचैनी या बीमारी दे सकती है। ये नकाब 'जार' को धोखा देने के लिए पहना जाता है। मकसद यह कि महिला, पुरुष जैसी दिखे। मान्यता के मुताबिक महिलाएं 'जार' के प्रति ज्यादा असुरक्षित होती हैं। केश्म और होर्मुज के कुछ लोग पेड़ों पर ही रहते हैं, क्योंकि ऐसी मान्यता है कि कुछ तरह के पेड़ों के नीचे सोने से शैतानी आत्मा पकड़ लेगी। यानी हवा की शक्ति व्यक्ति पर हावी हो सकती है। अफशार ने अपनी किताब 'स्पीक द विंड' में केश्म और होमुंज की अनूठी मान्यताओं और आस्थाओं के बारे में बताया है। अफशार बताती हैं कि कई निवासी अफ्रीकी मूल के हैं। पर यह पहचान अक्सर छिपाई जाती है या नकारी जाती है। वजह-लंबे समय की सामाजिक श्रेणियां हैं। जर्मनी के बर्लिन में रह रहीं अफशार बताती हैं कि अब टुकड़ों में वहां की खबरें मिलती हैं। भारी सैन्य मौजूदगी। बमबारी। वह बताती हैं कि एक रिश्तेदार ने बमों के असर को ऐसे बयान किया, 'यह भूकंप की तरह शरीर के आर-पार गुजरने जैसा लगता है। बमों-बारूदों से बचने की दुआएं करते हैं।

भारत और होर्मुज के बीच गहरा व्यापारिक रिश्ता था। लेकिन यह रिश्ता केवल व्यापार तक ही सीमित था। शासन या राजनीतिक नियंत्रण तक नहीं। फिर आया 16वीं सदी का कालखंड जब पुर्तगाल ने होर्मुज पर कब्जा कर लिया। तब भारत में उसका मुख्य केंद्र गोवा हुआ करता था। क्योंकि गोवा भी पुर्तगाल के नियंत्रण में था और हॉर्मूस भी। उस समय हॉर्मूस पर गोवा में मौजूद पोर्तुगीज़ इंडिया रूल कर रहा था। इतिहास के इसी चैप्टर की वजह से हॉर्मूस को भारत का हिस्सा होने का दावा किया गया। लेकिन हकीकत तो यह है कि दोनों ही क्षेत्र एक विदेशी शक्ति पुर्तगाल के अधीन थे। डायरेक्ट भारत के नहीं। बाद में ईरानी सल्तनत सफविद अंपायर ने पुर्तगालियों को हराकर होर्मुज पर कंट्रोल कर लिया। शाह अब्बास प्रथम की अगुवाई में और अंग्रेज ईस्ट इंडिया कंपनी की सहायता से सफाविद साम्राज्य ने पुर्तगालियों से हॉर्मोस पर अपनी फतेह हासिल कर ली। अप्रैल 1622 को फारस की खाड़ी में एक सदी से ज्यादा समय तक चले पुर्तगाली नियंत्रण को समाप्त कर दिया गया और अंतिम समर्पण भी पूरी कर दी गई। इसके बाद यह क्षेत्र फारस यानी आज के ईरान के प्रभाव में आ गया। तो साथियों साफ है कि इतिहास में होर्मुज पर कई ताकतों का प्रभाव रहा लेकिन भारत का सीधा शासन कभी नहीं रहा। हां यह जरूर है कि इस धरती से होर्मुज पर रूल जरूर किया गया।

पिछले 100 सालों से ज्यादा समय से यह एक स्वतंत्र व्यापारिक जलमार्ग के तौर पर मौजूद है। इस समय जब अमेरिका और इजराइल की ईरान के साथ सीधी जंग चल रही है तो ऐसे में स्टेट ऑफ हॉर्मोस की अहमियत और भी ज्यादा बढ़ जाती है। ईरान इस पर अपना एकाधिकार करना चाहता है। वहीं अमेरिका की ओर से भी नाकेबंदी की बात कही जा रही है। यह सिर्फ एक जलमार्ग नहीं बल्कि वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा का केंद्र बन चुका है। भारत भी अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए इस रास्ते पर काफी ज्यादा निर्भर है। इसलिए इसकी अस्थिरता भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। साथियों यह था स्टेट ऑफ हार्मोस का इतिहास। बाकी इसका भविष्य इसका मुस्तकबिल ही तय करेगा।

भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वस्थ रहने के लिए अपनाएं ये आसान तरीके

भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वस्थ रहना एक चुनौतीपूर्ण काम हो सकता है। काम की व्यस्तता और समय की कमी के कारण हम अक्सर अपने स्वास्थ्य की अनदेखी कर देते हैं। हालांकि, कुछ आसान और असरदार तरीके अपनाकर आप अपनी दिनचर्या में स्वास्थ्य का ध्यान रख सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे सुझाव देंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपनी भागदौड़ भरी जिंदगी में भी स्वस्थ रह सकते हैं।

समय पर खाना खाएं

खाने का समय तय करना बहुत जरूरी है। कोशिश करें कि आप हर दिन एक ही समय पर खाना खाएं ताकि आपका पाचन तंत्र सही रहे। सुबह का नाश्ता, दोपहर का खाना और रात का खाना एक ही समय पर खाएं। इससे आपका शरीर समय पर भोजन के लिए तैयार रहेगा और आप अधिक ऊर्जावान महसूस करेंगे। इसके अलावा यह आदत आपको भूख लगने पर तुरंत कुछ भी खाने से भी रोकेगी और आप स्वस्थ रहेंगे।

पानी पीना न भूलें

भागदौड़ भरी जिंदगी में अक्सर लोग पानी पीने का समय नहीं निकाल पाते हैं, जो कि सेहत के लिए बहुत जरूरी है। दिनभर में कम से कम 8-10 गिलास पानी पीना चाहिए। इससे आपका शरीर तर रहेगा और आप तरोताजा महसूस करेंगे। अगर आप ऑफिस या काम के दौरान व्यस्त रहते हैं तो अपने डेस्क पर एक पानी की बोतल रखें और उसे समय-समय पर भरते रहें। इससे आपको याद दिलाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

थोड़ा समय निकालकर व्यायाम करें

व्यस्तता के कारण व्यायाम करना मुश्किल हो सकता है, लेकिन यह बहुत जरूरी है। आप सुबह या शाम किसी भी समय 20-30 मिनट की सैर कर सकते हैं या हल्की-फुल्की कसरत कर सकते हैं, जैसे योग या स्ट्रेचिंग। अगर समय की कमी है, तो लंच ब्रेक में थोड़ी देर टहलें या ऑफिस के पास पार्क में जाकर कुछ मिनट टहलें। इससे आपका शरीर सक्रिय रहेगा और मानसिक तनाव भी कम होगा।

रेल पटरियों का आधुनिकीकरण

भारत में हर दिन 25,000 से अधिक ट्रेनें चलती हैं। वे प्रतिदिन 2 करोड़ से अधिक यात्रियों को ले जाती हैं और कोयला, लौह अयस्क, अनाज, स्टील, सीमेंट तथा अन्य वस्तुओं की बड़ी मात्रा को 1,37,000 किलोमीटर से अधिक लंबे रेल नेटवर्क पर एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाती हैं। पूरी व्यवस्था जिस आधार पर काम करती है, वह रेल पटरी है। जब पटरी अच्छी स्थिति में होती है, तब ट्रेनें सुरक्षित रूप से अधिक गति से चलती हैं। लेकिन जब पटरी खराब होती है, तो इसके परिणाम गति पर रोक, देरी और सुरक्षा संबंधी जोखिम के रूप में सामने आते हैं। रेल की पटरी में दरार, कोई ढीला पुर्जा या गिट्टी की परत में रुकावट, इनमें से कोई भी चीज ट्रेन की चाल को प्रभावित कर सकती है।

रेल पटरियों के महत्व को ध्यान में रखते हुए, भारतीय रेलवे ने एक दशक से अधिक समय पहले व्यापक आधुनिकीकरण कार्यक्रम शुरू किया। इस कार्य में आधुनिक मशीनों से पटरियों का नवीनीकरण, उन्नत तरीकों से जांच और निरीक्षण, मशीनीकृत रखरखाव, सुरक्षा बाड़बंदी आदि शामिल थे। इन सभी प्रयासों ने मिलकर रेल नेटवर्क की स्थिति को स्पष्ट रूप से बदल दिया है। 2014 से अब तक लगभग 55,000 किलोमीटर पटरियों का नवीनीकरण किया गया है, जिससे सुरक्षा और यात्रा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है तथा बार-बार मरम्मत की आवश्यकता कम हुई है। लगभग 44,000 ट्रैक किलोमीटर में 260 मीटर लंबे रेल पैनल बिछाए गए हैं। लंबे पैनलों का अर्थ है कम जोड़, जिससे ट्रेनों की आवाजाही अधिक सुगम और सुरक्षित होती है। अब 80,000 ट्रैक किलोमीटर से अधिक हिस्से में मजबूत 60 किलोग्राम वाली रेल पटरियों का उपयोग हो रहा है, जो अधिक भार और तेज गति का समर्थन करती हैं।

मजबूत रेल पटरी बिछाना जरूरी है, लेकिन समय रहते खराबी पकड़ना भी उतना ही जरूरी है। छिपी हुई दरारों को खोजने के लिए अल्ट्रासोनिक जांच की गई है। इसके तहत करीब 36.2 लाख ट्रैक किलोमीटर और 2.25 करोड़ वेल्ड की जांच हुई। इससे रेल और वेल्ड टूटने की घटनाएं करीब 90 प्रतिशत तक कम हो गई हैं। यानी अब खराबी होने के बाद उसे ठीक करने के बजाय पहले ही पकड़कर रोक लिया जाता है। अब रेलवे में दूसरी आधुनिक जांच तकनीकें भी इस्तेमाल हो रही हैं। नई वेल्ड की जांच के लिए चुंबकीय जांच, फ्लैश-बट वेल्ड की जांच के लिए नई मशीनें और जीपीएस से जुड़ी ऐसी व्यवस्था लगाई गई है, जो ट्रेन की यात्रा की गुणवत्ता मापती है और पटरी के खराब हिस्से की सही जगह बता देती है। भारतीय रेलवे की ट्रैक मशीनों की संख्या 2014 में 748 थी, जो 2026 में बढ़कर 1,785 हो गई है। ये मशीनें पटरी को ठीक करने, गिट्टी साफ करने और रेल को घिसकर बराबर करने का काम हाथ से होने वाले काम की तुलना में ज्यादा तेज, बेहतर और एक समान तरीके से करती हैं।

पटरी के नीचे बिछी गिट्टी की परत को साफ करने में मशीनों ने बड़ा फर्क पैदा किया है। यही गिट्टी पानी निकालने, कंपन कम करने और पटरी को मजबूत बनाए रखने का काम करती है। लेकिन समय के साथ ट्रेनों के लगातार वजन और कंपन से ये पत्थर टूटकर पाउडर जैसे हो जाते हैं। इससे गिट्टी की परत जाम हो जाती है और वह ठीक से काम नहीं कर पाती। इसलिए गिट्टी की सफाई की जाती है, ताकि पटरी फिर से सही हालत में आ जाए। यह काम एक लाख किलोमीटर से ज्यादा रेल पटरियों पर किया जा चुका है और ज्यादातर काम मशीनों से हुआ है। इसी तरह पटरी की ऊपरी सतह की खराबी दूर करने के लिए भी एक लाख किलोमीटर से ज्यादा रेल की ग्राइंडिंग की गई है।

'भूत बंगला' का तूफानी खेल

अक्षय कुमार के फैन्स लंबे वक्त से एक बड़ी हिट का इंतजार कर रहे थे. फाइनली वो ख्वाहिश पूरी हो गई है. जी हां, फिल्म ने जल्द ही दुनियाभर से 100 करोड़ रुपये का बिजनेस कर लिया था. साथ ही अब 150 करोड़ रुपये की तरफ बढ़ गई है. फिल्म का बिजनेस वीक डेज में बहुत अच्छा नहीं रहा है. पर अब जल्द ही दूसरे वीकेंड में एंट्री करेगी. उससे पहले मामला संभाल लिया है. जानिए बजट से कितने ज्यादा छापे? जस तैयारी के साथ अक्षय कुमार ने हॉरर कॉमेडी जॉनर में कदम रखा था, वहां उन्हें बड़ी सफलता हाथ लगी है. जी हां, उनकी 'भूत बंगला' ने 6 दिनों में ही पूरा बजट निकाल लिया है. जो कि वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस के हिसाब से जोड़ा जा रहा है. वैसे तो अक्षय कुमार के अलावा जिन दो एक्टर्स के बिना यह फिल्म अधूरी थी, वो हैं- राजपाल यादव और असरानी. दोनों की बेहतरीन कॉमेडी टाइमिंग ने अक्षय कुमार के किरदार को और निखार दिया है. खैर, फिल्म का वीक डेज में कलेक्शन कुछ खास नहीं रहा है. लेकिन अब वैसे भी दूसरे वीकेंड की शुरुआत होने वाली है. उससे पहले बिजनेस कम भी हुआ है, तो बढ़ा भी है. सबसे अच्छी बात है कि फिल्म ने बजट से कई करोड़ ज्यादा कमा लिए हैं।

मैं 17 वर्षों से काम कर रही हूं इसलिए मेरे लिए तुरंत स्विच ऑन और स्विच ऑफ करना आसान है: मौनी रॉय

अभिनय करना कोई आसान काम नहीं है। किसी को स्क्रीन पर भावनाओं को व्यक्त करने और फिर अपने मूल स्वरूप में वापस आने की जरूरत है। इस बारे में बात करते हुए कि वह अपनी रील और वास्तविक दुनिया के बीच संतुलन कैसे बनाती हैं, अभिनेता मौनी रॉय ने कहा, 卐...मुझे लगा कि अगर मैं भूमिका को महसूस नहीं करूंगी, तो दर्शक चरित्र से जुड़ नहीं पाएंगे। एक्शन के बीच और कट, मुझे जो कुछ भी महसूस करने की आवश्यकता थी वह महसूस हुआ, लेकिन काम करने के बाद, मैं अपने आप में बदल जाऊंगा। मैं 17 वर्षों से काम कर रहा हूं इसलिए मेरे लिए तुरंत स्विच ऑन और स्विच ऑफ करना आसान है। मैं नहीं लेता किरदार का वह भावनात्मक बोझ घर आ गया।卐 मौनी शोटाइम सीरीज में यास्मीन अली की भूमिका निभाती नजर आएंगी, जिसमें इमरान हाशमी, महिमा मकवाना और राजीव खंडेलवाल भी हैं। मिहिर देसाई और अर्चित कुमार द्वारा निर्देशित, शोटाइम को 卐सिनेमा की दुनिया में विरासत और महत्वाकांक्षा की एक महाकाव्य गाथा卐 कहा जाता है, जो दर्शकों को बॉलीवुड के करोड़ों डॉलर के उद्योग के पीछे की झलक दिखाएगी।, भाई-भतीजावाद और शीर्ष पर सत्ता संघर्ष। सीरीज के बारे में बात करते हुए इमरान ने पहले कहा था, जब आप इस शो के किरदारों को देखेंगे तो कहीं न कहीं आपको ऐसा लगेगा कि यह किसी वास्तविक जीवन के अभिनेता या निर्माता पर आधारित है या यह अभिनेताओं का एक मिश्रण है, अब आगे असल में यह किस पर आधारित है, यह डायरेक्टर से पूछना होगा। वे इस इंडस्ट्री में रहे हैं और इसे बहुत करीब से समझा है और एक तरह से इसे इस शो में रखा है। सीरीज 8 मार्च को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीमिंग शुरू होगी।

मुझे नहीं लगता की प्रोड्यूसर बनने के लायक हूँ: इमरान

अभिनेता इमरान हाशमी, जो अपनी आगामी स्ट्रीमिंग श्रृंखला शोटाइम की तैयारी कर रहे हैं, को लगता है कि वह निर्माता बनने के लिए फिट नहीं हैं।अभिनेता ने साझा किया कि उन्होंने अपने करियर में अब तक केवल एक ही फिल्म का निर्माण किया है, लेकिन वहां भी वह एक मूक निर्माता की तरह थे क्योंकि वह उसमें अभिनय भी कर रहे थे। जिस फिल्म की बात हो रही है वह 2019 की फिल्म व्हाई चीट इंडिया है। अभिनेता ने कबूल किया कि वह वित्त से संबंधित व्यक्ति से यादा एक रचनात्मक व्यक्ति हैं।卐मुझे नहीं लगता कि मैं निर्माता बनने के लायक हूं। मैंने एक फिल्म का निर्माण किया था, लेकिन मैं एक मूक निर्माता था और उसमें अभिनेता की भूमिका भी निभा रहा था, इसलिए मेरे निर्माता ने खुद को पीछे छोड़ दिया। मैं व्यवसायिक विचारधारा वाले व्यक्ति की तुलना में अधिक रचनात्मक व्यक्ति हूं। मुझे वाणिय की डिग्री मिली, लेकिन मेरे परिवार में एक मजाक चल रहा है कि मैं कला में जाना चाहता था, लेकिन मैं वाणिय में चला गया और मैं अब भी हस्ताक्षर करते समय अपने चेक को ठीक से नहीं काटता। उन्होंने कहा, मेरे सिर पर हमेशा कोई न कोई यह देखने के लिए बैठा रहता है कि मैं सब कुछ सही ढंग से करता हूं या नहीं।तो मैं संख्याओं का व्यक्ति नहीं हूं, मैं वाणिय का व्यक्ति नहीं हूं।मैं रचनात्मक रूप से अधिक इछुक हूं। इसलिए अगर मैं किसी अन्य फिल्म का निर्माण करता हूं, तो यह हमेशा उन लोगों को काम सौंपना होगा जो इसके उस हिस्से को बेहतर जानते हैं, वित्त को बेहतर जानते हैं।इस बीच, शोटाइम में महिमा मकवाना के साथ मौनी रॉय, राजीव खंडेलवाल, श्रिया सरन, विशाल वशिष्ठ, नीरज माधव, विजय राज और नसीरुद्दीन शाह भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।सुमित रॉय द्वारा निर्मित और मिहिर देसाई और अर्चित कुमार द्वारा निर्देशित, शोटाइम 8 मार्च से डिनी+हॉटस्टार पर स्ट्रीम करने के लिए उपलब्ध होगा।

सोशल मीडिया पर छाईं जूही भट्ट

रणवीर अल्लाहबादिया संग रिश्ते की खबरों ने मचाई सनसनी

सोशल मीडिया और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में इन दिनों एक नया नाम तेजी से सुर्खियां बटोर रहा है—जूही भट्ट। खास बात यह है कि उनका नाम मशहूर यूट्यूबर और पॉडकास्टर रणवीर अल्लाहबादिया के साथ जोड़ा जा रहा है। हालांकि दोनों में से किसी ने भी इन खबरों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन फैंस के बीच इस रूमर्ड रिश्ते को लेकर काफी उत्सुकता देखने को मिल रही है। ऐसे में हर कोई जानना चाहता है कि आखिर जूही भट्ट हैं कौन और उनका बैकग्राउंड क्या है।जूही भट्ट एक उभरती हुई अभिनेत्री और एक लोकप्रिय कंटेंट क्रिएटर हैं। भले ही उन्होंने अभी तक बड़े स्तर पर कोई ब्लॉकबस्टर प्रोजेक्ट नहीं किया हो, लेकिन डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर उनकी मौजूदगी लगातार मजबूत होती जा रही है। उनकी स्टाइल, कॉन्फिडेंस और कैमरे के सामने सहजता उन्हें खास बनाती है। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक, जूही ने मॉडलिंग और छोटे-छोटे एक्टिंग प्रोजेक्ट्स के जरिए अपने करियर की शुरुआत की थी। धीरे-धीरे उन्होंने अपने टैलेंट और मेहनत के दम पर इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनानी शुरू की।जूही भट्ट और रणवीर अल्लाहबादिया के बीच लिंकअप की खबरें तब सामने आईं जब दोनों को कुछ मौकों पर एक साथ देखा गया। इसके अलावा सोशल मीडिया पर भी कुछ ऐसे संकेत मिले, जिनसे फैंस ने कयास लगाना शुरू कर दिया कि दोनों के बीच कुछ खास चल रहा है।हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि अभी तक यह सब महज अफवाहोंऔर चर्चाओं तक ही सीमित है। किसी भी पक्ष ने इन खबरों को सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया है। फिर भी, दोनों के फॉलोअर्स इस संभावित रिश्ते को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं।जूही भट्ट का करियर अभी शुरुआती दौर में है, लेकिन उनकी पर्सनैलिटी उन्हें भीड़ से अलग बनाती है। वह सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं और अपने फैशन सेंस व लाइफस्टाइल से जुड़ी झलकियां शेयर करती रहती हैं।

सोनाक्षी के प्रेग्नेंसी रुमर पर मां पूनम सिन्हा ने कहा- कितनी बार नानी बना दिया हमको, जरूर मिलेगी वो खुशी

सोनाक्षी सिन्हा की शादी को इस साल जून में 2 साल पूरे होने वाले हैं. फैंस लगातार उनकी प्रेग्नेंसी की अटकलें लगा रहे हैं. बीते साल के आखिरी में जबसे सोनाक्षी ने मुंबई के एक इवेंट में रेड आउटफिट पहना तो उनकी प्रेग्नेंसी की अफवाहें तेज हो गई थीं. कई लोगों ने कयास लगाए कि वह अपने हाथ से बेबी बंप छुपाने की कोशिश कर रही हैं.

सोनाक्षी सिन्हा की प्रेग्नेंसी अटकलें पिछले साल से ही लगाई जा रही हैं. जब भी सोनाक्षी पब्लिक इवेंट में दिखती हैं, तो उनकी एक खास तरह के पोज वाली तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने लगती है और उनकी प्रेग्नेंसी की अटकले लगने लगती हैं. पिछले साल जब ऐसी अटकलें आईं तब सोनाक्षी और जहीर इकबाल दोनों ने इन अफवाहों पर हंसते हुए जवाब दिया और खारिज किया था. अब सोनाक्षी की मां पूनम सिन्हा ने भी इन चर्चाओं पर प्रतिक्रिया दी है.पूनम सिन्हा ने इंस्टेंट बॉलीवुड से बातचीत के दौरान पूनम ने उस पल को याद किया जब उनकी बेटी सोनाक्षी उनके जीवन में आई थीं. उन्होंने कहा, वो पल तो सबसे अच्छा पल था हमारी लाइफ का जब हमारे घर में बेटियां आईं.पूनम सिन्हा ने कहा, मुझे लगता है जिंदगी बेटियों के बिना कुछ है ही नहीं. बेटियों का होना बहुत जरूरी है. सोनाक्षी की प्रेग्नेंसी की अफवाहों पर पूनम ने कहा, पता नहीं कितनी बार नानी बना दिया हमको. लेकिन चलो, वो खुशी भी हमको मिलेगी, जरूर मिलेगी वो खुशी.सात साल तक एक-दूसरे को डेट किया और फिर अपने रिश्ते को ऑफिशियल करते हुए शादी कर ली. दोनों की पहली मुलाकात 2013 में सलमान खान की एक पार्टी में हुई थी. हालांकि, 2017 में %ट्यूबलाइट% की आफ्टर पार्टी में दोनों के बीच खास कनेक्शन बना और घंटों तक बातचीत हुई. इस कपल ने 2024 में मुंबई स्थित सोनाक्षी के घर पर स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत सिविल मैरिज की. शादी में सिर्फ करीबी दोस्त और परिवार के लोग ही शामिल हुए. इसके बाद दोनों ने इंडस्ट्री के दोस्तों के लिए मुंबई में ग्रैंड रिसेप्शन भी दिया. पिछले साल जब सोनाक्षी की प्रेग्नेंसी की अफवाहें उड़ी थीं, तो उन्होंने इंस्टाग्राम पर खूबसूरत तस्वीरें शेयर करते हुए एक मजेदार नोट लिखा था।

राजपुर में बायोमेट्रिक साइबर ठगी का खुलासा: अंगूठा लगवाकर खातों से पैसे उड़ाने वाला आरोपी गिरफ्तार, गिरोह की तलाश जारी

बक्सर (संवाददाता)। बिहार के बक्सर जिले के राजपुर प्रखंड क्षेत्र में साइबर ठगी का एक बड़ा मामला सामने आया है, जहां पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कटरिया गांव से एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मनुजी पाल (पिता- विंध्याचल पाल) के रूप में हुई है, जो लंबे समय से ग्रामीणों को झांसे में लेकर उनके बैंक खातों से पैसे निकाल रहा था। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी बेहद चालाकी से खुद को बैंक मित्र (CSP संचालक), आधार सेवा एजेंट या सरकारी योजना से जुड़ा कर्मचारी बताकर लोगों का विश्वास जीतता था और फिर विभिन्न बहानों से उनका बायोमेट्रिक यानी अंगूठा लगवा लेता था। इसके बाद वह माइक्रो-एटीएम और अन्य डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर उनके खातों से पैसे निकाल लेता था। कई मामलों में वह छोटे-छोटे ट्रांजैक्शन करता था ताकि लोगों को तुरंत शक न हो, जबकि कुछ मामलों में एकमुश्त बड़ी रकम भी उड़ा ली जाती थी। इस ठगी का सबसे खतरनाक पहलू यह था कि पीड़ितों को इसकी जानकारी काफी देर से होती थी, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में बैंक मैसेज या बैलेंस चेक करने की आदत कम होती है।

इस पूरे मामले का खुलासा तब हुआ जब राजपुर थाना क्षेत्र के हुड़रही गांव की निवासी गायत्री देवी ने थाने में शिकायत दर्ज कराई और बताया कि आरोपी ने उन्हें सरकारी योजना का लाभ दिलाने के नाम पर अंगूठा लगवाया, जिसके बाद उनके खाते से पैसे गायब हो गए। इस शिकायत के आधार पर 3 दिसंबर 2025 को प्राथमिकी दर्ज की गई, जिसके बाद पुलिस ने तकनीकी जांच शुरू की। डिजिटल ट्रांजैक्शन, बैंकिंग रिकॉर्ड और मोबाइल लोकेशन के विश्लेषण के आधार पर आरोपी की पहचान की गई और छापेमारी कर उसे कटरिया गांव से गिरफ्तार कर लिया गया।

राजपुर थानाध्यक्ष निवास कुमार ने बताया कि यह मामला सिर्फ एक व्यक्ति तक सीमित नहीं हो सकता और इसके पीछे एक संगठित गिरोह के सक्रिय होने की आशंका है। पुलिस अब इस गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए लगातार छापेमारी कर रही है, साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि अब तक कितने लोग इस ठगी का शिकार बने हैं और कुल कितनी रकम की हेराफेरी हुई है। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान व्यक्ति को अपना बायोमेट्रिक या OTP न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस या बैंक को दें।

यह घटना एक बार फिर यह साबित करती है कि साइबर अपराध अब गांवों तक फैल चुका है और डिजिटल जागरूकता की कमी का फायदा उठाकर अपराधी लोगों को निशाना बना रहे हैं। ऐसे में सतर्कता और सही जानकारी ही इस तरह की ठगी से बचने का सबसे प्रभावी उपाय है।

डुमरांव जाते वक्त लापता हुए सेवानिवृत्त शिक्षक पारस ओझा

बक्सर (संवाददाता)। बक्सर जिले के सिमरी थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़का सिंहनपुरा गांव से एक चिंताजनक खबर सामने आई है, जहां गांव के रहने वाले और सेवानिवृत्त शिक्षक पारस ओझा (उम्र लगभग 80 वर्ष) गुरुवार से लापता हैं। उनके अचानक गायब हो जाने से परिजनों के बीच चिंता और बेचैनी का माहौल बना हुआ है, वहीं पूरे गांव के लोग भी उनकी तलाश में जुट गए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पारस ओझा अपने गांव बड़का सिंहनपुरा से डुमरांव स्थित अपने पुत्र मदन ओझा के घर जाने के लिए निकले थे। परिजनों के मुताबिक, वे सामान्य रूप से घर से निकले थे, लेकिन देर शाम तक जब वे डुमरांव नहीं पहुंचे, तो परिवार के लोगों को चिंता होने लगी। काफी देर इंतजार के बाद जब उनसे कोई संपर्क नहीं हो पाया, तो परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की, लेकिन अब तक उनका कोई पता नहीं चल सका है।

परिवार के सदस्यों और करीबी लोगों का कहना है कि पारस ओझा की उम्र अधिक होने के कारण उनकी याददाश्त कुछ कमजोर हो गई है।

बिजली जांच' के बहाने घर में घुसकर महिला से छेड़खानी और मारपीट का आरोप, कई नामजद पर केस की मांग

बक्सर (संवाददाता)। बिहार के बक्सर जिले के कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र से एक गंभीर और चिंताजनक मामला सामने आया है, जहां 'बिजली जांच' के नाम पर कुछ लोगों द्वारा घर में घुसकर एक महिला के साथ छेड़खानी और मारपीट करने का आरोप लगा है। पीड़िता ने इस संबंध में महिला थाना में लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है।

पीड़िता के अनुसार, घटना 22 अप्रैल की सुबह करीब 10 बजे की है, जब वह अपने घर में परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मौजूद थीं। इसी दौरान अचानक 7-8 लोग उनके घर में घुस आए और खुद को बिजली विभाग का कर्मचारी बताते हुए मीटर जांच करने की बात कहने लगे। महिला को जब उन लोगों पर संदेह हुआ और उन्होंने उनसे पहचान पत्र दिखाने को कहा, तो सभी आरोपी आक्रामक हो गए।

आरोप है कि आरोपियों ने महिला को धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया, जिससे उनके कपड़े अस्त-व्यस्त हो गए। इसी दौरान कुछ लोगों ने उनके साथ छेड़खानी करने की कोशिश की। महिला द्वारा विरोध किए जाने पर उनके साथ मारपीट की गई। स्थिति उस समय और बिगड़ गई जब शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचने लगे, जिसके बाद वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया और दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई।

पीड़िता ने अपने आवेदन में यह भी आरोप लगाया है कि कुछ आरोपी उन्हें जबरन घर के अंदर खींच ले गए, दरवाजा बंद कर दिया और उनके साथ पिटाई की। इतना ही नहीं, हंगामे के दौरान परिवार की एक अन्य महिला सदस्य के गले से सोने का लॉकेट और कान की बाली छीन लिए जाने का भी आरोप लगाया गया है। महिला ने यह भी आरोप लगाया है कि आरोपियों ने एक लाख रुपये की मांग करते हुए धमकी दी कि यदि पैसे नहीं दिए गए तो पूरे परिवार को झूठे केस में फंसा दिया जाएगा। घटना के बाद स्थिति और तनावपूर्ण हो गई जब पीड़िता के अनुसार उनके पुत्रों को जबरन पकड़कर थाने ले जाया गया, जबकि उनकी शिकायत पर कृष्णाब्रह्म थाना में प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई। न्याय नहीं मिलने से परेशान होकर पीड़िता महिला थाना पहुंची और वहां लिखित आवेदन देकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की। इस मामले में पीड़िता ने जेई चक्की मनीष कुमार सहित उपेंद्र ठाकुर, देवेंद्र यादव, सूरज पासवान, विजय कुमार, मकसूद अंसारी, कन्हैया मिश्र, सुनील प्रजापति और नागेंद्र यादव को नामजद आरोपी बनाया है। वहीं, महिला थानाध्यक्ष ने बताया कि आवेदन प्राप्त हो चुका है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि सभी पहलुओं की जांच के बाद ही आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह घटना एक बार फिर यह सवाल खड़ा करती है कि सरकारी विभाग के नाम पर लोगों का विश्वास जीतकर अपराध करने की घटनाएं कितनी तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे मामलों में सतर्कता और पहचान की पुष्टि करना बेहद जरूरी हो गया है, ताकि इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

जयंती पर याद किए गए वीर कुंवर सिंह

बक्सर (संवाददाता)। बिहार की शान और देश की आजादी की लड़ाई के महान योद्धा वीर कुंवर सिंह की जयंती पूरे सम्मान और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर बाबू वीर कुंवर सिंह विजयोत्सव समिति की ओर से शहर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता जनार्दन राय ने की।

कार्यक्रम के दौरान शहर स्थित वीर कुंवर सिंह चौक पर लोगों ने उनकी आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की और दीप प्रज्वलित कर उनके अद्वितीय योगदान को याद किया। इस दौरान 'वीर कुंवर सिंह अमर रहें' के नारों से पूरा चौक गूंज उठा और माहौल देशभक्ति से सराबोर हो गया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि 1857 की क्रांति में वीर कुंवर सिंह की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक रही थी। उन्होंने बिहार में अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया और अपनी रणनीति व साहस के बल पर अंग्रेजी हुकूमत को कड़ी चुनौती दी। उस समय उनकी उम्र लगभग 80 वर्ष थी, लेकिन इसके बावजूद उनका जोश और नेतृत्व क्षमता युवाओं के लिए आज भी प्रेरणा का स्रोत है।

किला मैदान बना पार्किंग जोन : गेट हटने के बाद वाहनों का कब्जा, खेल और अभ्यास ठप

बक्सर (संवाददाता)। शहर के बीच स्थित ऐतिहासिक किला मैदान, जो कभी बच्चों और युवाओं के खेल-कूद तथा अभ्यास का प्रमुख केंद्र हुआ करता था, इन दिनों अव्यवस्था और लापरवाही का शिकार बन गया है। हालात यह हैं कि मैदान अब खेल का नहीं बल्कि वाहनों के पार्किंग स्टैंड के रूप में इस्तेमाल हो रहा है, जिससे स्थानीय खिलाड़ियों, धावकों और आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

दरअसल, बीते 25 मार्च को समृद्धि यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनसभा को लेकर प्रशासन द्वारा किला मैदान के मुख्य प्रवेश द्वारों पर लगे लोहे के गेट को हटाया गया था। कार्यक्रम समाप्त हुए लगभग एक माह बीत चुका है, लेकिन अब तक उन गेटों को दोबारा नहीं लगाया गया है। इसी का फायदा उठाकर लोग बेधड़क मैदान के अंदर बस, ट्रैक्टर, जीप, मिनी बस, कार और अन्य छोटे-बड़े वाहनों को खड़ा कर रहे हैं।

गुरुवार को सुबह से ही मैदान में वाहनों के आने का सिलसिला शुरू हो गया और देखते ही देखते मैदान दर्जनों वाहनों से भर गया। स्थिति यह हो गई कि जहां बच्चे क्रिकेट और फुटबॉल खेलते थे, वहां अब गाड़ियों की कतारें लगी नजर आती हैं। इससे खिलाड़ियों को न केवल अभ्यास में बाधा आ रही है, बल्कि कई बार उन्हें बिना खेले ही वापस लौटना पड़ता है। जिला मुख्यालय में खेल मैदानों की पहले से ही कमी है और किला मैदान ही एकमात्र ऐसा बड़ा स्थान है जहां बच्चे और युवा नियमित रूप से खेल और शारीरिक अभ्यास करते हैं। यहां क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल के साथ-साथ सेना भर्ती की तैयारी कर रहे युवा दौड़ का अभ्यास भी करते हैं। लेकिन मैदान में वाहनों के प्रवेश के कारण उनका अभ्यास प्रभावित हो रहा है और उन्हें मायूस होकर लौटना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, यह समस्या नई नहीं है। मुंडन संस्कार, मकर संक्रांति, कार्तिक पूर्णिमा स्नान जैसे अवसरों पर भी किला मैदान वाहनों से भर जाता है। जिले के अलावा पड़ोसी उत्तर प्रदेश से आने वाले लोग भी अपने वाहनों को यहीं पार्क कर देते हैं, जिससे स्थिति और बिगड़ जाती है। कुछ महीने पहले फैज मेमोरियल क्रिकेट प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर समिति द्वारा मैदान को समतल कर खेल योग्य बनाया गया था। लेकिन बड़े वाहनों के लगातार प्रवेश के कारण अब फिर से मैदान की हालत खराब हो रही है। जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं, जिससे खिलाड़ियों को चोट लगने का भी खतरा बढ़ गया है।

स्थानीय खिलाड़ी अप्पू वर्मा, फरह अंसारी और राजेश कुमार सहित कई युवाओं ने प्रशासन से मांग की है कि किला मैदान के मुख्य प्रवेश द्वार पर हटाए गए गेट को जल्द से जल्द दोबारा लगाया जाए और मैदान में वाहनों के प्रवेश पर सख्ती से रोक लगाई जाए। उनका कहना है कि यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो यह मैदान पूरी तरह से खेल के लायक नहीं बचेगा। लोगों का आरोप है कि इस समस्या को लेकर न तो नगर परिषद कोई ठोस पहल कर रही है और न ही प्रशासन इसकी सुध ले रहा है।

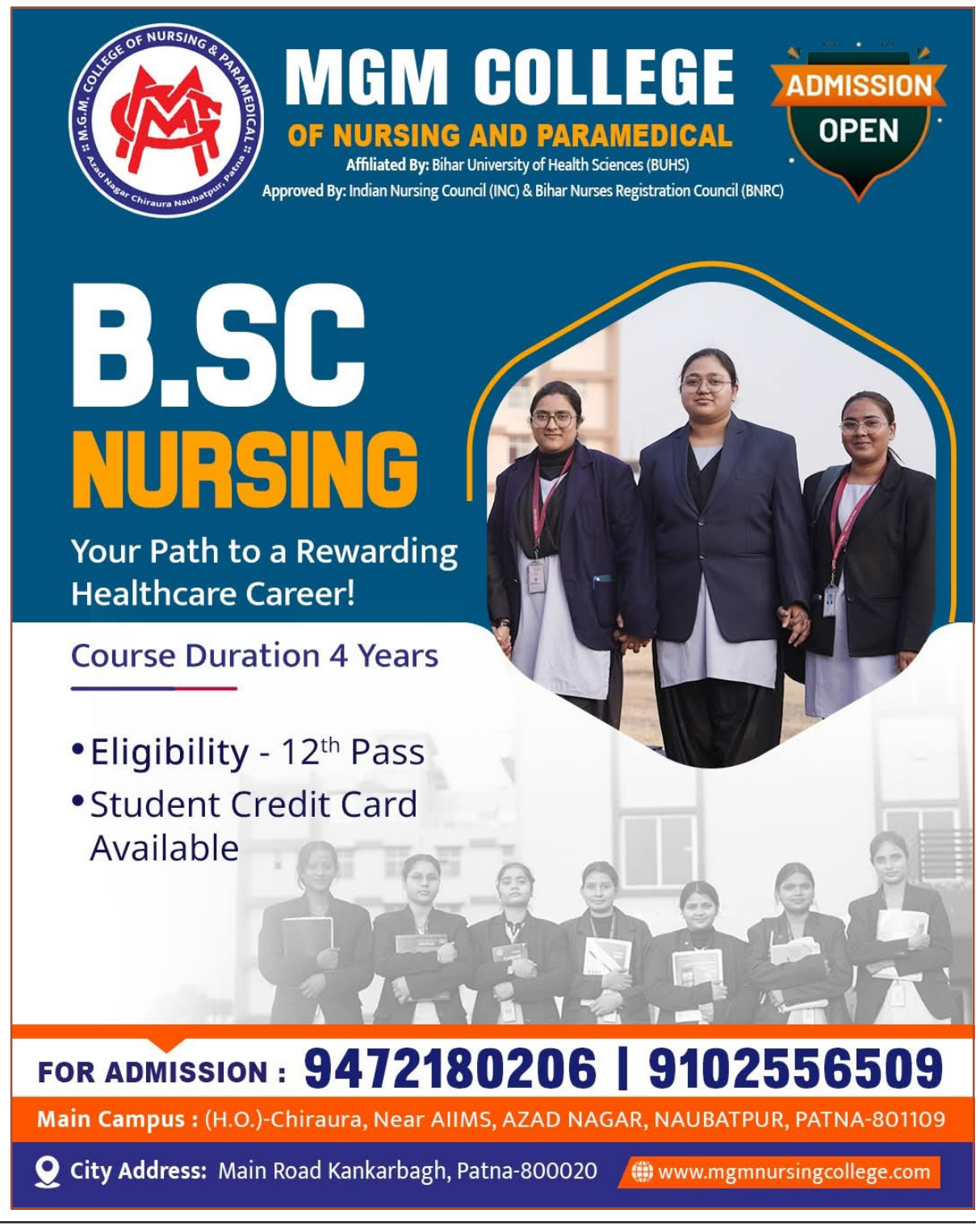

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक मतिउर्रहमान द्वारा अजीमाबाद प्रिंटर्स, आर. सी. एफ./105, ग्राउण्ड फ्लोर, बी. एच. कॉलोनी, भूतनाथ रोड, कंकड़बाग, पटना- 800026 बिहार से मुद्रित एवं अमला टोली, मेन रोड़, बक्सर -802101, बिहार से प्रकाशित, संपादक- मतिउर्रहमान, E-mail:- qalamlok@gmail.com, Regn. No. BIHHIN/2017/72480